।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 271

नर्मदापुरम

सोमवार, 14 जुलाई 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

अन्धे पेट के बड़े गहरे होते हैं। उन्हें बड़ी दूर की सूझती है।

- प्रेमचंद्र

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में माहौल बिगाड़ने की कोशिश! कांवड़ियों के मार्ग पर फैलाए कांच के टुकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर एक साजिश के अंतर्गत माहौल बिगाड़ने की कोशिश हुई है। शाहदरा के इलाके में कांवड़ियों के लिए निर्धारित मार्ग पर एक किलोमीटर तक कांच के टुकड़े तोड़े गए हैं। इसकी जानकारी आते ही माहौल गर्म हो गया है। दिल्ली सरकार ने भरोसा जताया है कि कांवड़ियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। दिल्ली के कांवड़ियों ने 11-12 जुलाई को हरिद्वार के हर की पौड़ी जैसे पवित्र स्थानों से गंगा का जल उठाया है। वे आज अलग-अलग समय पर दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली के कई शिवालयों में 13 जुलाई को सावन के पहले सोमवार को गंगा जल अर्पित किया जाएगा।

करणी सैनिकों ने रतलाम महू-नीमच हाईवे किया जाम, अध्यक्ष गिरफ्तार

रतलाम। करणी सेना परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर की गिरफ्तारी को लेकर कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया। रविवार दोपहर करीब 3 बजे आक्रोशित करणी सैनिकों ने रतलाम जिले के महू-नीमच हाईवे स्थित सेजावता फंटे पर धरना देकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी जीवन सिंह शेरपुर को रिहा करो के नारे लगाते हुए सड़क पर बैठ गए। चक्काजाम के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जानकारी के अनुसार, करणी सेना के पदाधिकारी आशीष राजपूत से हीरा खरीदने के नाम पर 18 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई थी। इस मामले में हरदा पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। उनमें से एक आरोपी मोहित को पुलिस ने गिरफ्तार किया और शनिवार को न्यायालय में पेश करने जा रही थी। इसी दौरान बड़ी संख्या में करणी सैनिक न्यायालय पहुंचे और आरोपी को उनके हवाले करने की मांग करने लगे। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

डिप्टी सीएम ने जिला अस्पताल रीवा में नवीन मेटरनिटीविंग कक्ष का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय रीवा के नवीन मेटरनिटीविंग कक्ष का शुभारंभ किया। उन्होंने मेटरनिटी विंग के बन जाने से मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बताया गया कि नवीन मेटरनिटीविंग में प्रसूति एवं स्त्री रोग से संबंधित मरीजों को पृथक से ओपीडी की सुविधा के साथ जांच के लिए सेम्पल प्राप्त करने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला चिकित्सालय के 100 बिस्तर के अतिरिक्त भवन के बन जाने से मरीजों को और सुविधा मिलेगी साथ ही इसमें मेटरनिटीविंग के लिए भी स्थान आरक्षित रहेगा। उप मुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय के विस्तार भवन का अवलोकन किया तथा शेष कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ल सहित चिकित्सक उपस्थित रहे। राजेन्द्र शुक्ल ने ग्राम शाहपुर हिनौता में माँ भगवती हेल्थ केयर सेंटर का उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि हम स्वस्थ रहेंगे तभी हर तरह का विकास सार्थक होगा।

सरकार प्रवासी उद्यमियों को निवेश के लिये अनुकूल माहौल देगी : मुख्यमंत्री

पहले दिन प्रवासी उद्योगपतियों से मिले करोड़ों के निवेश प्रस्ताव

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा की शुरुआत निवेश और रणनीतिक संवाद के लिहाज से बेहद सफल रही। पहले ही दिन दुबई में 35 से अधिक प्रवासी उद्योगपतियों और सीईओ से मुलाकात हुई, जिन्होंने मध्यप्रदेश में शिक्षा, सस्टेनेबल सिटी और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव रखे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने अरब संसद के अध्यक्ष से भी शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा के पहले दिन ही मध्यप्रदेश में विदेशी निवेश की संभावनाओं को लेकर बड़ी सकारात्मक शुरुआत देखने को मिली। दुबई में आयोजित एक विशेष निवेशक संवाद में इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के 25 से अधिक सीईओ और 15 से ज्यादा प्रवासी उद्यमियों ने मध्यप्रदेश में निवेश के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार प्रवासी भारतीयों को निवेश के लिए हरसंभव सहयोग और अनुकूल वातावरण देगी। दुबई में स्थित ताज होटल में हुए इस कार्यक्रम में IIBN के सदस्यों ने बताया कि यूएई में 750 से अधिक सदस्य कार्यरत हैं, जिनमें व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बैंकर्स और शिक्षाविद शामिल हैं। कार्यक्रम में अजय कसलीवाल, प्रेम भाटिया, अंजू भाटिया, निलेश जैन, मनोज झारिया, नसीर खान और अमित श्रीनिवास ने मुख्यमंत्री को विस्तार से निवेश योजनाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'Madhya Pradesh Global Dialogue 2025 के अंतर्गत आज दुबई में इंदौरी इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के सम्मानित सदस्यों के साथ मध्यप्रदेश में निवेश की असीम संभावनाओं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सहयोग के अवसरों पर विस्तार से संवाद किया। अत्यंत प्रसन्नता हुई कि IIBN के प्रतिनिधियों ने अपने मूल नगरों से पुनः जुड़ने की गहरी इच्छा व्यक्त की और भोपाल, देवास, उज्जैन, धार, पीथमपुर जैसे शहरों में व्यवसाय स्थापित करने में गहरी रुचि दिखाई है। भारत के हृदय प्रदेश में वैश्विक उद्योग जगत का हार्दिक अभिनंदन!

इंदौर ने आठवीं बार स्वच्छता रैंकिंग में प्राप्त किया शीर्ष स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार में मध्यप्रदेश एक बार फिर से गौरवान्वित होगा। उन्होंने बताया कि आगामी 17 जुलाई को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा मध्यप्रदेश के आठ शहरों को स्वच्छता की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने इस उपलब्धि पर सभी स्वच्छता कर्मी, नगरीय निकायों के महापौर, अध्यक्ष, पार्षद, अधिकारी और कर्मचारियों सहित नागरिकों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इंदौर शहर को स्वच्छता के लिए सुपर स्वच्छ श्रेणी लीग में आठवीं बार सम्मानित किया जाएगा। इंदौर पूर्व में सात बार देश के स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। विगत वर्षों में श्रेष्ठ प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर स्वच्छ लीग पुरस्कार इस वर्ष इंदौर को दिया जाएगा। उज्जैन को 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छ लीग पुरस्कार प्राप्त होगा, जो गर्व का विषय है। इसी प्रकार 20 हजार से कम आबादी वाले नगरों की श्रेणी में बुधनी नगर को भी सम्मानित किया जाएगा।

सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ निवेश का प्रस्ताव

इस अवसर पर दुबई में रहने वाले सीए प्रवीण मेहता ने वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए निजी क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये की लागत से एक परियोजना और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाले सस्टेनेबल सिटी के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार भी उन वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है, जिनके बच्चे विदेशों में हैं। उन्होंने कहा, अगर आपके बच्चे बाहर हैं, तो हम आपका परिवार हैं। सीएम ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित कलेक्टर इन वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

आज होगी धरती पर वापसी

अंतरिक्ष से शुभांशु बोले-भारत आज भी सारे जहां से अच्छा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अंतरिक्ष में 17 दिन रहने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर वापस लौटेंगे। इससे पहले 13 जुलाई की शाम फेयरवेल सेरेमनी में उन्होंने भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के 1984 में दिए आइकॉनिक डायलॉग को दोहराते हुए कहा- भारत आज भी सारे जहां से अच्छा है। उन्होंने कहा- जब मैंने 25 जून को फाल्कन 9 रॉकेट ये यात्रा शुरू की थी, तब नहीं सोचा था कि यह यात्रा इतनी अविश्वसनीय रहेगी। मेरे पीछे खड़ी टीम के बिना यह यात्रा इतनी अविश्वसनीय नहीं होती। यहां होना बहुत खुशी की बात है।

शुभांशु ने कहा कि बीते ढाई हफ्ते में हमने स्पेस स्टेशन पर साइंस एक्टिविटी की, आउटरीच एक्टिवटी की, इसके बाद जितना भी समय मिला हमने स्पेस स्टेशन की खिड़की से धरती को निहारा। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी NASA ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान को 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। 6 जुलाई को शुभांशु के ISS स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं

डीजल ले जा रही मालगाड़ी में लगी आग, कई ट्रेनें प्रभावित

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास रविवार सुबह एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह मालगाड़ी डीजल या कच्चा तेल लेकर जा रही थी। इस घटना के बाद तिरुवल्लूर और अरक्कोणम रूट पर चेन्नई सेंट्रल की ओर आने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों को बीच रास्ते में रोक दिया गया है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित ट्रेनों में मंगलुरु से आने वाली चेन्नई सेंट्रल मेल शामिल है, जो सुबह 6.10 बजे चेन्नई पहुंचने वाली थी, लेकिन इसे तिरुवल्लूर स्टेशन पर रोक दिया गया है।

राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं।

इनके अलावा, केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी। ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं

एमपी में बारिश का दौर जारी, गुना में 9 घंटे में 2 इंच बारिश, रनगुवां डैम के 15 गेट खोले

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश में स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होने की वजह से लगातार मानसूनी बारिश का दौर चल रहा है। कई जिलों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर है, जिस वजह से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रविवार को भी बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल और इंदौर समेत प्रदेश के 26 से ज्यादा जिलों में पानी गिरा। गुना में 9 घंटे में 2 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। श्योपुर में सवा इंच, खरगोन-टीकमगढ़ में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा, जबकि पचमढ़ी में आधा इंच बारिश हुई। इसी तरह

भोपाल, बैतूल, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, रायसेन, रतलाम, शिवपुरी, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, सागर, बालाघाट, शाजापुर, देवास, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा समेत कई जिलों में भी कभी तेज तो कभी हल्की बारिश का दौर बना रहा। मौसम विभाग ने रात के दौरान भी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. ई दिव्या ने बताया कि मानसून द्रोणिका वर्तमान में सूरतगढ़, सीकर, ग्वालियर, सिद्धि, डाल्टनगंज, कोंटाई से होकर बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बैठक की तैयारियों का जायजा लिया

विधानसभा में सात राज्यों के पीठासीन अधिकारियों की बैठक आज

भोपाल ■ प्रतिनिधि

देश की विधानसभाओं में गठित होने वाली समितियों की प्रणाली की समीक्षा हेतु मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में 7 राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों की एक समिति गठित की गई थी। यह समिति राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पीठासीन सम्मेलन में गठित की गई थी। इस समिति की प्रथम बैठक

आज मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय भवन में आयोजित की जा रही है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे एवं बैठक में उत्तरप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, हिमाचल विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोरबू शेरपा, ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष श्रीमति सुरमा पाढ़ी एवं पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी भाग लेंगे। बैठक में विधान मंडलों में समिति प्रणाली की समीक्षा की जाएगी एवं उन्हें सुदृढ़ बाने पर विचार मंथन होगा। रविवार को इस संबंध में नरेंद्र सिंह तोमर ने बैठक की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि विधानसभा की समितियों की प्रणाली की समीक्षा हेतु यह पहली बैठक आयोजित की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

कीटनाशक पीने वाले युवक ने 20 दिन बाद तोड़ दिया दम

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना इलाके में स्थित ग्राम पुरामनभावन में रहने वाले एक युवक ने जहरीला कीटनाशक पी लिया। परिवार वालो ने उसे इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहॉ करीब बीस दिन चले इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है की किसी बात पर गुस्से में आकर उसके कीटनाशक पीने की बात सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपंते हुए हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार विकास अहिरवार पिता ओम प्रकाश अहिरवार (25) गांव पुरामन भावन, सूखीसेवनिया में रहता था, और निजी काम करता था। बीती 22 जून को उसने घर में रखा कीटनाशक पी लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजनो को हादसे की भनक लगी और वह उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उसका इलाज चल रहा था। बीती दोपहर उसकी अचानक तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला कायम कर लिया। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है की विकास का परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, इस दौरान गुस्से में आकर उसने कीटनाशक पी लिया था।

बाइक सवार बदमाशों ने छात्र से झपटा मोबाइल

भोपाल। शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में बीती रात बाइक सवार बदमाश छात्र के हाथ से मोबाइल झपटकर रफूचक्कर हो गए। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियो के खिलाफ झपटमारी का मामला कायम कर उनकी पहचान जुटाने के प्रयास शुरु कर दिये है। पुलिस के अनुसार संकेत जैन (23) पिता राकेश जैन ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूल रुप से गुना का रहने वाला है। और फिलहाल अशोका गार्डन में किराए के फ्लैट में रहते हुए पढ़ाई के साथ ही पार्ट टाइम में एक शॉपिंग मॉल में नौकरी करता है। शनिवार रात वह रोजाना की तरह अपनी नौकरी से घर लौट रहा था। रात करीब 11 बजे रास्ते में कॉल आने पर वह मोबाइल पर बातचीत करते हुए चलने लगा। जैसै ही वह परिहार चौराहा पर पहुंचा उसी समय पीछे से एक बाइक पर सवार होकर आये दो बदमाशो में से पीछे बैठे बदमाश ने तेजी से उसके हाथ पर झपट्टा मारते हुए 20 हजार कीमत का फोन झपटा और तेज स्पीड से चपंत हो गए। इससे पहले वह कुछ समझ पाता बदमाश तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाते हुए फरार हो गए। अज्ञात बदमाशो का सुराग जुटाने के लिये पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है।

घायल युवक को देख केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने रोका काफिला

भोपाल। राजधानी के अवधपुरी इलाके में स्थित जैन मंदिर में आयोजित चार्तुमास कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सिंह ने चेतक ब्रिज पर लोगों की भीड़ लगी देख इसकी जानकारी लेने के लिये अपना काफिला रुकवा लिया। रुकने के बाद उन्हें पता चला की सड़क हादसे में एक युवक घायल हो गया है। इसके बाद शिवराज सिंह ने घायल युवक को लोगो की मदद से उठाकर अपने काफिले की गाड़ी में लिटाया और अपने साथ मौजूद सरकारी अधिकारी राकेश जैन के साथ उसे इलाज के लिये अस्पताल के लिये रवाना किया। इतना ही नहीं उन्होंने जेपी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव को फोन कर घायल को भेजने की जानकारी देते हुए तुरंत उचित उपचार की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही अधिकारी राकेश जैन से कहा की घायल युवक के परिवार वालो को भी सूचित करा दें। घायल युवक को हॉस्पिटल रवाना करने के बाद वह अपने वाहन में सवार होने के लिये जाने लगे।

कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में रमल विद्या, भृगु संहिता, आदि विशेषज्ञयों ने पढ़े अपने शोध पत्र

विकसित भारत को विश्वगुरु बनाने ज्योतिषयों ने किया मंथन

भोपाल ■ निस

ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल एवं कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन द्वारा छठा दो दिवसीय कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन राजधानी में सम्पन्न हुआ ।

देशभर के ज्योतिषाचार्य इस सम्मेलन में शामिल हुए नेहरू नगर स्थित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) के सभागार में हुआ। इसमें देशभर के ज्योतिषाचार्य व विद्वान जुटें। इस सम्मेलन में भोपाल के पंडितों और ज्योतिषियों के अलावा पूरे देश से लगभग 250 अलग-अलग विधाओं के ज्योतिष विषय विशेषज्ञ आमंत्रित किए गए थे। इसमें 50 से अधिक महिला ज्योतिषी भी शामिल हुई जो सिंदूरी परिधान में शामिल हुई थी।

इस सम्मेलन में विचार-विमर्श का विषय विकसित भारत को विश्वगुरु बनाने में ज्योतिष की भूमिका विषय रखा गया था। सम्मेलन में रमल विद्या, भृगु संहिता, लाल किताब, मोबाइल नंबर ज्योतिष के विशेषज्ञ यहां पर अपने विचार रखने के साथ शोध पत्र पढ़ें गए। शोध पत्र पढ़ने के लिए 65 से अधिक ज्योतिषियों ने अपना पंजीयन कराया था। संस्कृति के अनुरूप ज्योतिष सम्मेलन में सभी ज्योतिषी सांस्कृतिक परिधान में ही प्रवेश हुए।

ज्योतिष मठ संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि इस सम्मेलन की थीम सिंदूरी रही कार्यक्रम में शामिल सभी विद्वान सांस्कृतिक परिधान में आए हैं।सम्मेलन में अलग विद्या के ज्योतिषियों ने मंच से अपने विचार व्यक्त किए साथ ही आगामी वर्ष में उज्जैन में होने जा रहे सिंहस्थ के लिए भी विचार विमर्श किया गया कार्यक्रम में ज्योतिषियों को सम्मानित किया गया।

सम्मेलन में विशेष रूप से आज गुफा मन्दिर के महंत स्वामी रामप्रकाश दास जी श्री अनिल्लानंद जी , मां चामुंडा दरबार के पंडित रामजीवन दुबे,रविन्द्रदास महाराज,सांसद आलोक शर्मा,पूर्व विधायक पी सी शर्मा, पूर्व सांसद रामकृष्ण कुसमरिया ,उत्तराखंड के पूर्व मंत्री नंदकिशोर पुरोहित उपस्थित थे।

ज्योतिष मठ संस्थान के अध्यक्ष पंडित विनोद गौतम ने बताया कि इस ज्योतिष सम्मेलन का उद्देश्य ज्योतिष की खो रही विधाओं को फिर से स्थापित करना है।

सम्मेलन में वैदिक गृह शांति,मुहूर्तों का

धर्माचार्य की उपाधि देकर सौंपी सिंहस्थ की जवाबदारी

कालिदास राष्ट्रीय महर्षि ज्योतिष सम्मेलन में आगामी सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर भी गहन मंथन किया गया ओर 11वरिष्ठ ज्योतिषियों को धर्माचार्य की उपाधि से विधि विधान से उपाधि प्रदान की गई जिसमें श्रीमती प्रमिला गुप्ता कोटा राजस्थान, श्रीमति रजनी निखिल बगलामुखी साधक,दिलीप के अवस्थी जयपुर, राज ज्योतिषाचार्य पंडित कृपाराम उपाध्याय भोपाल,हरिओम जोशी इंदौर,सी आर शर्मा भोपाल,लक्ष्मीचंद चौधरी कुरावर,आनंद वरदानी,एम बी स्वर्णकार को सम्मानित कर उपाधि दी गई।

महत्व,मंगल ग्रह, आधुनिक जीवन में ज्योतिषियों की भूमिका विषय पर शोध प्रस्तुत किए ओर सभी को मंच से सम्मानित किया गया। संस्थान द्वारा प्रकाशित सौभाग्यम पत्रिका ,महालक्ष्मी पूजा पद्धति,एवं विवाह पद्धति पुस्तक का विमोचन किया गया।

पंचकोशीय शिक्षा दृष्टि हमारी जड़ों से जुड़ने का माध्यम है: संतोष चौबे

भोपाल, निप्र। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आज भव्य समापन हुआ। कार्यशाला का केंद्रीय विषय चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास था, जिसका उद्देश्य पंचकोशीय शिक्षा पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समाज में मूल्यों की पुनर्स्थापना और व्यक्तित्व के समग्र विकास पर मंथन करना था। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. ओम शर्मा जी, राष्ट्रीय संयोजक आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रो. आर. पी. दुबे, कुलगुरु आरएनटीयू उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री संतोष चौबे, कुलाधिपति, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रो. अमिताभ सक्सेना, डॉ. संगीता जौहरी, कुलसचिव आरएनटीयू, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पूजा चतुर्वेदी विशेषरुप से उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. ओम शर्मा जी ने कार्यशाला को एक बौद्धिक यज्ञ की संज्ञा दी और कहा कि इस प्रकार के प्रयास आज की शिक्षा प्रणाली को आत्मा से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा इस कार्यशाला में जो कुछ सीखा गया है।

रिवॉल्वर लेकर बैखौफ घूम रहा आदतन बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, निप्र। शहर की गांधी नगर थाना पुलिस ने एक आदतन बैखौफ बदमाश को रिवॉल्वर लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सदिंग्धो की धरपकड़ के लिये इलाके में पैट्रौलिंग कर कर रही पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली की इलाके में एरोसिटी रोड आरजीपीव्ही कालेज ब्रिज के नीचे एक सदिंग्ध युवक कट्टा लेकर खडा है, जो उसे बेचने या किसी वारदात को अंजाम देने की नियत से घूम रहा है। खबर मिलते ही टीम ने फौरन मौके पर पहुचंकर घेराबंदी करते हुए युवक को पकड लिया। पुछताछ में उसकी पहचान शाहरूख पिता अनीस (25) निवासी प्रताप वार्ड गाँधीनगर के रुप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से देशी रिवालवर बरामद

की गई। पुलिस ने हथियार को जप्त करते हुए उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम कर गिरफ्तार कर लिया। पकड़ाये गये आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मामले दर्ज है। पुलिस उससे यह जानकारी जुटा रही है की वह यह जानलेवा हथियार कहॉ से लेकर आया था, और इलाके में इसे किस नियत से लेकर घूम रहा था।

भोपाल को भिक्षावृत्ति मुक्त करने नया प्लान तैयार

8 टीमें करेंगी काम, हमीदिया में बनेगा अलग वार्ड

भोपाल, निप्र। भोपाल में भिक्षावृत्ति पर पूर्ण रोक लगाने के लिए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने विशेष प्लान तैयार किया है। कलेक्टर के निर्देशन में, सभी जोनों के एसडीएम की देखरेख में आठ टीमों का गठन किया गया है।

राजधानी भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के लगातार प्रयास के बाद भी भिक्षावृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। भिक्षावृत्त पर पूर्ण रोक लगाने के लिए कलेक्टर ने अब विशेष प्लान तैयार किया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में, सभी जोनों के एसडीएम की देखरेख में आठ टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें शहर में गश्त करेंगी और पूर्व निर्धारित साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार छापेमारी करेंगी। इसके साथ ही, शासकीय हमीदिया अस्पताल में बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों के लिए एक विशेष वार्ड बनाया जाएगा।

कई विभागों के लोगों को टीम में किया गया शामिल: कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में विस्तृत कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया है। इस कार्य को पूर्ण रूप से पूरा करने के लिए पुलिस, नगर निगम, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास, और अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कल्याण सहित विभिन्न विभागों को टीमों में शामिल किया गया है। इस पहल के तहत, भिखारियों के पुनर्वास के लिए एक समर्पित आश्रय गृह स्थापित किया गया है। प्रशासन ने इस सुविधा के संचालन के लिए अनुभवी और सक्षम स्वयंसेवी संगठनों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इच्छुक गैर सरकारी संगठनों को 15 जुलाई शाम 5 बजे तक अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करने होंगे।

सार्वजनिक स्थान पर भीख मांगने पर है प्रतिबंध: कलेक्टर द्वारा 3 फरवरी, 2025 को जारी एक पूर्व आदेश में सार्वजनिक स्थानों पर भीख मांगने और दान देने दोनों पर प्रतिबंध लगाया गया है। टीम साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन काम करेंगी, जिसकी आधिकारिक घोषणा सोमवार को की जाएगी। इस योजना का उद्देश्य जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक वितरण और निरंतर कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं गायन प्रस्तुति

भोपाल, निप्र। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 13 जुलाई, 2025 को श्री इंन्दरसिंह निगवाल एवं साथी, धार द्वारा भील जनजातीय भगोरिया नृत्य एवं श्री दीपेश पाण्डेय एवं साथी, सागर द्वारा बधाई नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

गतिविधि में श्री इंन्दरसिंह निगवाल एवं साथी, धार द्वारा भील जनजातीय भगोरिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। मध्यप्रदेश के झाबुआ और अलीराजपुर क्षेत्र में निवास करने वाली भील जनजाति का भगोरिया नृत्य, भगोरिया हाट में होली तथा अन्य अवसरों पर भील युवक-युवतियों द्वारा किया जाता है। फागुन के मौसम में होली से पूर्व भगोरिया हाटों का आयोजन होता है। भगोरिया नृत्य में विविध पदचाप

समूहन पाली, चक्रीपाली तथा पिरामिड नृत्य मुद्राएं आकर्षण की केन्द्र होती हैं। रंग-बिरंगी वेशभूषा में सजी-धजी युवतियों का श्रृंगार और हाथ में तीरकमान लिये नाचना ठेठ पारम्परिक व अलौकिक सरंचना है।वहीं श्री दीपेश पाण्डेय एवं साथी, सागर द्वारा बधाई नृत्य प्रस्तुत किया गया। बुन्देलखण्ड अंचल में जन्म विवाह और तीज-त्यौहारों पर बधाई नृत्य किया जाता है। मनौती पूरी हो जाने पर देवी-देवताओं के द्वार पर बधाई नृत्य होता है। इस नृत्य में स्त्रियाँ और पुरुष दोनों ही उमंग से भरकर नृत्य करते हैं। बूढ़ी स्त्रियाँ कुटुम्ब में नाती-पोतों के जन्म पर अपने वंश की वृद्धि के हर्ष से भरकर घर के आंगन में बधाई नाचने लगते हैं।

निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने श्रावण मास की पूर्व बेला में वार्ड 26 के नागरिकों को दी विकास की सौगात

भोपाल। पावन श्रावण मास की पूर्व बेला में निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने वार्ड क्र0. 26 के ग्रीनवेली व नीलबड़ हरि नगर क्षेत्र के नागरिकों को विकास की सौगात देते हुए लगभग 32 लाख रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विकास कार्यों हेतु भूमिपूजन किया। भूमिपूजन अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती राजमणी उईके सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी मौजूद थे।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने रविवार को प्रात: जोन क्र. 21 के वार्ड क्र. 26 के अंतर्गत ग्रीनवेली क्षेत्र में विकास की सौगात देते हुए 22 लाख रुपये की लागत से होने वाले सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क निर्माण कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। इसके उपरांत सूर्यवंशी ने हरि नगर नीलबड़ क्षेत्र में 10 लाख 28 हजार रुपये की लागत से सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क एवं नाला निर्माण कार्य हेतु भी भूमिपूजन किया। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने भूमिपूजन अवसरों पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम शहर के विकास एवं बेहतर से बेहतर जनसुविधा उपलब्ध कराने हेतु संकल्पित है। शहर के नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु लगातार विकास कार्य कराए जा रहे है। सूर्यवंशी ने कहा कि इसी तारतम्य में जोन क्र. 21 के वार्ड क्र. 26 के ग्रीनवेली गौरागांव क्षेत्र तथा नीलबड़ हरि नगर क्षेत्र में सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क एवं नाले का निर्माण कराया जा रहा है। उक्त कार्यों से निश्चित ही नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी और पानी का निकास भी व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित होगा। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने स्थानीय नागरिकों को पवित्र श्रावण मास एवं विकास कार्यों हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

भाभा विश्वविद्यालय द्वारा प्रेरणादायक सत्र का आयोजन

आध्यात्मिक गुरु उमेश कबीर द्वारा छात्रों को मिला जीवन और करियर का मार्गदर्शन

भोपाल, निप्र। भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल मे भाभा विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय एवम आरती एंड विनीत मेहरोत्रा वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में एक प्रेरणादायक एवं मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रतिकुलगुरू डॉ.एन के अग्रवाल, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. मनोज कुमार शुक्ला, कुलसचिव डॉ.शयाम पाटकार, अधिष्ठाता डॉ.अशोक कुमार झाला, प्राचार्य डॉ.तृप्ति अरजरिया, विभाग प्रमुख प्रो. सुरेश गावंडे, प्रो . पुष्पेंद्र कुशवाहा एवं फैकल्टी सदस्य तथा विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

इस सत्र के मुख्य वक्ता थे उमेश कबीर जी – एक ख्यातिप्राप्त आध्यात्मिक गुरु, धर्मशास्त्र के शोधकर्ता, शिक्षाविद् एवं जीवन मार्गदर्शक। काशी के कबीरचौरा मठ स्थित मूलगढ़ी आश्रम से जुड़े उमेश कबीर जी ने कबीर दर्शन, कर्म, धर्म, आत्मविकास, एवं करियर निर्धारण जैसे विषयों पर अत्यंत सरल, व्यावहारिक और प्रेरक शैली में विचार साझा किए।

उन्होंने युवाओं को अपने भीतर झाँकने, उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने और करियर के साथ संतुलन बनाने की प्रेरणा दी। उनके वक्तव्य ने छात्रों को न केवल मानसिक स्पष्टता प्रदान की बल्कि आत्मिक जागृति का भी अनुभव कराया।

भारतीय रेलवे की अद्भुत कहानी पर जापान हुआ मुग्ध, ओसाका एक्सपो में रेलवे सप्ताह का भव्य समापन

नमस्ते से कोन्निचिवा तक: विश्व एक्सपो ओसाका में भारतीय रेल की गूंज

भोपाल, निप्र। ओसाका के युमेशिमा द्वीप पर आयोजित वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारत मंडप में मनाए गए रेलवे सप्ताह का आज अंतिम दिन है, और मैं एक ऐसे भावनात्मक और सांस्कृतिक क्षण का साक्षी हूं जहाँ भारतीय नवाचार की वैश्विक सराहना और देशों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संवाद एक साथ देखने को मिल रहा है। यह केवल तकनीकी प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्मीय जुड़ाव की एक अनुभूति है।

ओसाका के इस भविष्यनिष्ठ एक्सपो में जब दुनिया भर से आए दर्शक भारतीय मंडप की ओर रुख करते हैं, तो उनकी प्राथमिक सूची में सबसे ऊपर होता है ङ्क भारतीय रेलवे का स्टॉल। विशेष रूप से जापानी नागरिक यहाँ भारी संख्या में पहुंचकर न केवल वंदे भारत एक्सप्रेस के मॉडल के साथ उत्साहपूर्वक सेल्फी लेते दिखते हैं, बल्कि उच्चगति ट्रेन की तकनीकी जानकारी भी गहराई से पढ़ते हैं। बच्चों की उत्सुक आँखें, तकनीकप्रेमियों

की जिज्ञासा और परिवारों की मुस्कान ङ्क यह सब भारतीय रेलवे के प्रति उनके गहरे आकर्षण को दर्शाता है।

एक जापानी छात्रा अकिको तनाका, वंदे भारत के मॉडल के सामने पोज देते हुए कहती है, मुझे नहीं पता था कि भारत में इतनी तेज़ ट्रेनें हैं! यह बहुत खूबसूरत है। उसके बाद वह ट्रेन की सीटी की आवाज़ निकालकर नमस्ते कहती है और खिलखिलाकर हँसती है।

वहीं कुछ कदम आगे विश्व की सबसे ऊंची रेल पुल चिनाब ब्रिज का लघु मॉडल लोगों को खींच लाता है। हर कोण से इसकी तस्वीरें ली जा रही हैं। नागोया के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर कहते हैं, यह तो इंजीनियरिंग का चमत्कार है हिमालय जैसे कठिन भूभाग में ऐसा निर्माण सच में असाधारण है।

भारतीय रेलवे का यह स्टॉल केवल मशीनों का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि एक राष्ट्र की भावना और जीवंत यात्रा का जीवंत चित्र प्रस्तुत करता है। ऑगमेंटेड रियलिटी, इमर्सिव प्रोजेक्शन और वर्चुअल टूर के माध्यम से यह स्टॉल भारतीय रेल के विविध भू-भागों में चलने वाले 23 मिलियन यात्रियों की रोज़मर्रा की कहानी कहता है। अंजी खड्ड ब्रिज, भारत का पहला केबल स्टे रेल पुल, कश्मीर क्षेत्र के दुर्गम भूभाग में बना, दर्शकों को उसकी निर्माण प्रक्रिया देखकर भावुक कर देता है।

स्टॉल के एक हिस्से को भारतीय रेलवे स्टेशन जैसा रूप दिया गया है, जहाँ हिंदी उद्घोषणा, चायवालों की प्रतिकृति और इंजन की आवाज़ दर्शकों को एक वास्तविक भारतीय अनुभव कराती है। जापानी दर्शक जब वंदे भारत या चिनाब जैसे शब्दों को उत्साह से उच्चारित करते हैं और भारतीय स्वयंसेवकों को उपहार या ओरिगामी क्रेन भेंट करते हैं, तो यह केवल तकनीकी सहभागिता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संगम बन

दुबई पहुंचे सीएम मोहन यादव का हुआ स्वागत

15 तक उद्योगपतियों से मिलेंगे, बुधवार को स्पेन जाएंगे

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार से 7 दिन की विदेश यात्रा पर हैं। वे पहले दिन रविवार को दुबई पहुंचे। यहां दुबई के काउंसिल जनरल ऑफ इंडिया सतीश कुमार सिवन ने उनका स्वागत किया है। सीएम 15 जुलाई तक दुबई में उद्योगपतियों से मिलेंगे। इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल काउंसिल और लूलू, लैंडमार्क, नकील जैसे बड़े समूहों से निवेश, लॉजिस्टिक्स, रिटेल व वेयरहाउसिंग पर चर्चा करेंगे।

दुबई के होटल अटलांटिस में 'ब्रांड मध्यप्रदेश' कार्यक्रम में प्रदेश की उपलब्धियों, निवेश अवसरों और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाली प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया

जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की विविधता और क्षमताओं को दर्शाने वाली थीम प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। साथ ही प्रवासी समुदाय को मध्यप्रदेश की बदलती तस्वीर से अवगत कराएंगे।

और प्रवासी भारतीयों से करेंगे संवाद: दुबई में रह रहे मध्यप्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ मुख्यमंत्री संवाद करेंगे। इस संवाद में वे उन्हें प्रदेश के निवेश अवसरों, अधोसंरचना, जन-कल्याणकारी योजनाओं और वैश्विक भागीदारी के लिए तैयार नई व्यवस्था से अवगत कराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रवासी प्रतिभाओं को राज्य के विकास से जोडने के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी भी देंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखेगी मध्यप्रदेश की विरासत: मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की लोक-संस्कृति से जुड़े विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस आयोजन में लोकनृत्य, गीत, बटिक प्रिंट और अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाया जाएगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर प्रवासी भारतीयों को राज्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से जुडने का संदेश भी देंगे।

भारतीय मूल के उद्योगपतियों से करेंगे मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में सक्रिय भारतीय मूल के प्रमुख उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों से भेंट करेंगे। इस दौरान वे ईएसडीएम, फार्मा, टेक्सटाइल, ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य संभावित क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा करेंगे। मध्यप्रदेश में उद्योगों को पारदर्शी नीति, आवश्यक अधोसंरचना और सरकार की सक्रिय भागीदारी के साथ मजबूत समर्थन से अवगत कराया जाएगा।

थाना बैरागढ़ पुलिस को मिली बड़ी सफलता जिला बदर के शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

भोपाल, निप्र। शहर में शरीर एवं संपत्ति संबंधी घटित होने वाले अपराधों पर नियंत्रण रखने हेतु आदतन अपराधी एंव जिला बदर के मामलों में मुखविर तंत्र विकसित कर आरोपियों की धरपकड़ सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के तारतम्य में थाना प्रभारी थाना बैरागढ़ अशोक कुमार गौतम के द्वारा एक टीम गठित कर सूचना तंत्र विकसित करते हुए जिला बदर का उल्लंघन करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

दिनांक 12/7/25 को दौराने पैदल भ्रमण एंव जिलाबदर आरोपियो की चेंकिग के दौरान मुखबिर व्दारा सूचना प्राप्त हुई कि जिला बदर का अनावेदक विक्की गोंडिया पुलिस आयुक्त महो. भोपाल के जिला बदर आदेश का उललंघन कर भोपाल शहर में मोची मोहल्ला बैरागढ़ मे घूम रहा है। अनावेदक विक्की गोंडिया उर्फ पाण्डया उर्फ कालिया पिता हीरालाल उर्फ अरूण रामटेक उम्र 31 साल नि. मोची मोहल्ला स्टेशन रोड थाना बैरागढ भोपाल को तीन माह की कालावधि के लिये जिला भोपाल एवं उससे लगे अन्य जिले विदिशा, सीहोर, राजगढ, रायसेन एवं नर्मदापुरम जिलो की राजस्व सीमाओ से बाहर चले जाने का निष्कासन आदेश पारित किया गया था। जिला बदर के आदेश के उलंघन की सूचना प्राप्त होने पर सूचना तस्दीक हेतु पुलिस बल के साथ अनावेदक विक्की गोंडिया की तलाश हेतु मोची मोहल्ला पहुंचा तो अनावेदक विक्की गोडिंया वही घूमता हुआ दिखा। जो पुलिस को आता देखकर भागने लगा जिसे काफी प्रयास करने के उपरांत हमराह स्टाफ के घेराबंदी कर पकडा गया। अनावेदक द्वारा उक्त आदेश का उल्लघंन करते हुए पाए जाने से एवं अनावेदक का उक्त कृत्य धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 का एवं धारा 223 बीएनएस का पाया जाने से मोके पर अनावेदक विक्की गोंडिया को विधीवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना परिजन को दी गयी एवं बाद वापस थाना आकर आरोपी के विरूद्ध असल अपराध पंजीबद्द कर विवेचना मे लिया गया

संक्षिप्त समाचार

भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत दो कर्मचारियों के विरुद्ध अभियोजन की स्वीकृति दी

नर्मदापुरम। तहसील डोलरिया में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 नायब नाजिर अमित लौवंशी एवं भृत्य आशीष कहार के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तथा सक्षम प्राधिकारी सुश्री सोनिया मीना द्वारा अभियोजन स्वीकृति प्रदान की गई है। विदित हो कि पूर्व में थाना डोलरिया में धारा 409 भादवि सहपठित धारा 13 (1) ए, 13(2) भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरण जिसमे सहायक ग्रेड-3 नायब नाजिर अमित लौवंशी एवं भृत्य आशीष कहार के विरुद्ध शासकीय कार्य में गंभीर अनियमितताओं के लिए प्रकरण दर्ज किया गया था। उक्तशय में जांच के लिए गठित दल जिसमे जिला कोषालय अधिकारी नर्मदापुरम के नेतृत्व में जांच दल द्वारा जांच की गई एवं जांच में पाया गया कि आरोपीगणों ने शासकीय राशि 2 करोड़ 23 लाख 33 हजार 863 रुपये का कपटपूर्ण आहरण कर शासन को वित्तीय क्षति पहुंचाई। उक्त जांच के आधार पर धारा 409 भादवि इजाफा धारा 13 (1) ए, 13 (2) भ्रष्टाचार अधिनियम के अंतर्गत अपराध का संज्ञान सक्षम न्यायालय द्वारा लिये जाने हेतु मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, भोपाल के निर्देशानुसार भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 (1) (ग) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री सोनिया मीना द्वारा अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

एक एकड़ की खेती से अर्जित की 2.41 लाख रुपये की आय

नर्मदापुरम। ग्राम पलियापिपरिया की श्रीमती ज्योतिबाई ने स्वावलंबन योजना के अंतर्गत एक एकड़ क्षेत्र में मलबरी पौधारोपण कर रेशम कीट पालन से अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। वे शासकीय रेशम केन्द्र पलिया पिपरिया में कार्यरत हैं और आदिवासी वर्ग से आती हैं। श्रीमती ज्योतिबाई ने वर्ष 2010-11 में रेशम कीट पालन का कार्य शुरू किया था। पिछले 12 वर्षों से वे नियमित रूप से रेशम कीट पालन कर परिवार की आजीविका में सहायक बनी हुई हैं। रेशम विभाग की ओर से उन्नत तकनीक, तकनीकी मार्गदर्शन एवं उच्च गुणवत्ता के रेशम बीज समय-समय पर प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनके उत्पादन की गुणवत्ता और आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2024-25 में श्रीमती ज्योतिबाई ने एक एकड़ क्षेत्र से ककून उत्पादन कर कुल 2,41,378 रुपये की आय अर्जित की। उनका कहना है कि ग्राम में ही रेशम की खेती कर वे परिवार को मजबूत आर्थिक सहारा दे रही हैं। वर्ष 2022-23 से ककून मार्केट के माध्यम से ककून विक्रय कर बेहतर दर प्राप्त करने से उनकी आय में और भी इजाफा हुआ है।

आयुष्मान आरोग्य केन्द्रों में आज आयोजित होंगे स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

खण्डवा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में नागरिकों को उनके घर के पास ही स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर - शहरी व ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक एवं उपस्वास्थ्य केंद्रों में 14 जुलाई सोमवार को 卐आयुष्मान आरोग्य शिविर卐 आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि शिविरों में चिकित्सा अधिकारी व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण व जाँच कर नि:शुल्क दवाईयाँ उपलब्ध कराई जायेंगी। इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी. की जाँच, जन्म से 5 वर्ष के शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों की एनसीडी के तहत उच्च रक्तचाप, मधुमेह की जाँच व उपचार कर दवाईयाँ वितरित की जायेंगी।

मंत्री डॉ. शाह ने कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं

छात्राएं सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दें, उनकी सभी समस्याओं का निराकरण सरकार करेगी

खण्डवा ■ निस

मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह ने रविवार को खालवा विकासखंड के ग्राम जामनी गुर्जर स्थित कन्या शिक्षा परिसर में छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनी। इससे पूर्व उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे केवल पढ़ाई की चिंता करें उनकी सभी समस्याओं का निराकरण प्रदेश सरकार करेगी। इस दौरान सहायक आयुक्त श्री संतोष शुक्ला, क्षेत्र संयोजक श्री नीरज पाराशर सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

इस दौरान मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जिले के तीनों कन्या शिक्षा परिसरों में ब्लैक बोर्ड या ग्रीन बोर्ड के स्थान पर डिजिटल बोर्ड स्थापित कराए जाएंगे, और कन्या शिक्षा परिसरों में स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को रोजगार मूलक प्रशिक्षण दिलाया जाएगा ताकि वह पढ़ाई के बाद स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि ग्राम आवलिया में संस्कृति व संस्कार संबंधी प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कन्या शिक्षा परिसर के लिए बड़े वाहनों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि छात्राओं को आसपास के दर्शनीय स्थल तथा आसपास के उच्च शिक्षण संस्थानो का भ्रमण भी कराया जा सके।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि आदिवासी वर्ग की छात्राओं की सुविधाओं के लिए शालिनी एप प्रदेश सरकार ने तैयार कराया है, जिसमें कि छात्रावासों में प्रवेश या छात्रवृत्ति भुगतान जैसी सभी समस्याओं के निराकरण की सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों को छात्रावास में एडमिशन नहीं मिल पाता है, उन्हें गांव से शहर जाकर पढ़ने के लिए कमरा किराए पर लेने के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है। उन्होंने सहायक आयुक्त को निर्देश दिए कि कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं को पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई का भी भ्रमण कराया जाए, ताकि वे तकनीकी शिक्षा और रोजगार मूलक पाठ्यक्रम के बारे में जान सकें। उन्होंने कहा कि ग्राम सेल्दा में खेल प्रशिक्षण परिसर स्थापित किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को उच्च स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध होगी।

वृक्षारोपण अभियान के तहत न्यायाधीश कॉलोनी में पौधे लगाए गए

खंडवा, निप्र। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश अनुसार वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान प्रकृति की रक्षा के लिए विधिक सेवा विषय पर आधारित है। खंडवा में इस अभियान के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ममता जैन ने खंडवा नगर की न्यायाधीश कॉलोनी में फलदार तथा छायादार पौधे लगाए। इस दौरान न्यायाधीशगण द्वारा एक-एक पौधे लगाकर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार मंडलोई, जिला न्यायाधीश अनिल चौधरी, आशीष प्रताप सिंह, अरविंद सिंह टेकाम एवं वीरेंद्र जोशी तथा पीयूष भावे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहित न्यायाधीशगण, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, न्यायालय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी गण एवं पैरा लीगल वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

संबल योजना से मिली आर्थिक सहायता ने दी नई उम्मीद

पति की असामयिक मृत्यु के बाद वित्तीय संकट से जूझ रही श्रीमती मनवारे को मिला 2 लाख रुपये का सहारा

नर्मदापुरम, निप्र। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना राज्य शासन की महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसके माध्यम से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पंजीयन उपरांत मृत्यु, दुर्घटना अथवा गंभीर बीमारी जैसी आपात स्थिति में आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संकट से उबारकर उन्हें पुन: आत्मनिर्भर बनाने में मदद करना है।

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों के लिए संकट की घड़ी में एक मजबूत सहारा बन रही है। इसी क्रम में नर्मदापुरम निवासी श्रीमती सुनीला मनवारे को उनके पति की असामयिक मृत्यु के उपरांत संबल योजना के माध्यम से 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

श्रीमती मनवारे ने बताया कि पति की मृत्यु के पश्चात उन पर घर की जिम्मेदारियों का बोझ अचानक आ पड़ा था। परिवार के भरण-पोषण में आर्थिक तंगी आड़े आ रही थी। ऐसे में संबल योजना के तहत मिली सहायता राशि ने उनके परिवार को एक नई संबलता दी है। उन्होंने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

जीशान के हार्ट का हुआ मुफ्त ऑपरेशन

आयुष्मान भारत योजना बनी जीवन रक्षक वरदान

खंडवा, निप्र। खालवा के ब्लॉक ऑफिस चौराहा निवासी रमजान खान अपने 15 वर्षीय पुत्र जीशान के लगातार बीमार रहने से चिंतित रहते थे। बीमारी के कारण जीशान अन्य बच्चों की तरह किसी भी खेल गतिविधियों में भाग नहीं ले पाता था, क्योंकि वह बहुत जल्दी थक जाता था और हाँफने लगता था। जीशान के माता-पिता उसे अस्पताल में डॉक्टर को दिखाने ले गए तो वहां डॉ. शैलेन्द्र राठौर और उनकी टीम ने जीशान का स्वास्थ्य परीक्षण कर परिजनो को इंदौर में हृदय रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाने की सलाह दी।

परिजनों ने जीशान को इंदौर के मेंदाता हॉस्पिटल में हृदय रोग विशेषज्ञ को दिखाया और उसकी जांच करवायी। जहाँ चिकित्सकों ने जांच में जीशान के हृदय की नसों में सूजन, रक्त प्रवाह में कमी और हार्ट के वाल्व में समस्या बताई। जिसकी सर्जरी में अधिक

खर्चा आना संभावित था। जीशान के पिता रमजान खान बस एजेण्ट का कार्य करते हैं। इतनी बड़ी सर्जरी कराने के लिए वे आर्थिक रुप से सक्षम नहीं थे। जीशान के पिता रमजान का पहले से ही आयुष्मान कार्ड बना हुआ था। जो कि उसके लिए जीवन रक्षक वरदान साबित हुआ।

जीशान के पिता रमजान ने बताया कि उन्होंने अपने पुत्र को इंदौर के सेंट फ्रांसिस अस्पताल में 19 मई को भर्ती कराया, जहाँ उसकी स्वास्थ्य जाँच व परीक्षण करने के बाद 21 मई को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत चिकित्सकों व टीम के द्वारा जीशान की सफलतापूर्वक सर्जरी की गई। अब जीशान पूर्णत: स्वस्थ है। रमजान ने बताया कि बेटे जीशान के हार्ट का ऑपरेशन कराना उसके बस की बात नहीं थी, क्योंकि उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी और ऑपरेशन में लाखों का खर्च होना था।

रमजान ने बताया कि यदि आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं मिला होता, तो वह कैसे भी अपने बच्चे का ऑपरेशन नहीं करवा सकता था।

महेश्वरी महिला संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ का भव्य स्वागत

माखननगर, निप्र। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ शनिवार रात माखन नगर पहुंचे जहाँ स्थानीय माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा एक आयोजन कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत महेश बंदना एवं स्वागत गीत सरला माहेश्वरी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर मध्यांचल की संयुक्त मंत्री श्रीमती अनीता जावड़िया, प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती, सचिव राजश्री राठी, संभागीय उपाध्यक्ष सिखा जावंधिया व कविता चाण्डक भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंजू बांगड़ ने सामाजिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। नगर मंडल अध्यक्ष राधिका माहेश्वरी व वर्षा सोमानी ने कहा मंजू बांगड के नेतृत्व में समाज को एक नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम मैं महिला परिषद की सभी सदस्य व सेवा मंडल के सदस्य भी उपस्थित रहे।

वर्षा अमृत सेवा संस्थान द्वारा दिव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

उज्जैन, निप्र। मां अन्नपूर्णा पीठ आश्रम एवं जय गणेश परिवार पर वर्षा अमृत सेवा संस्थान द्वारा दिव्य गुरु पूर्णिमा महोत्सव संपन्न आयोजित किया गया। इस अवसर पर साध्वी वर्षा नागर द्वारा मां बगलामुखी हवन संपन्न कराया गया एवं महोत्सव में भक्तों को अमृत रसपान कराया गया। इस शुभ अवसर पर भक्तों द्वारा भाव-विभोर होकर साध्वी वर्षा दीदी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष विजय पटेल, सचिव भरत शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र भट्ट एवं विधायक

रामलाल मालवीय सहित सदस्यगण रामचंद्र लोधा, जितेंद्र शर्मा, शिवम नागर, ओम व्यास, मुकेश शर्मा, पंकज नामदेव, ओम प्रकाश व्यास, बाबू सिंह चौहान, राहुल प्रजापति, मेहरबान सिंह चावला आदि सदस्यों ने कार्यक्रम में मोजूद रहे समिति सदस्यों द्वारा भक्तों का आभार व्यक्त किया गया

आज माँ नर्मदा का दुग्धाभिषेक और चुनरी समर्पण के बाद कावड़ यात्रा शुरू होगी

इंदौर, निप्र। मालवांचल की सबसे बड़ी बाणेश्वरी कावड़ यात्रा को आज रविवार को मरीमाता चौराहे से पुष्प वर्षा, शंख ध्वनि और बोल बम के उदघोष के बीच महेश्वर के लिए विदाई दी गई। सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और कई पार्षदों ने वैदिक मंगलाचरण के बीच बाबा भोलेनाथ की झाँकियों का पूजन कर, ध्वजा फहराकर इस यात्रा को रवाना किया।

यात्रा संयोजक एवं विधायक गोलू शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उन्हें मनोहारी झाँकियों का अवलोकन कराया। अतिथियों ने सिद्ध विजय गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ पौधरोपण भी किया। मरीमाता चौराहा पहुँचते ही करीब 5 हजार श्रद्धालुओं का जोश देखते ही बन रहा था, जो बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ नाचते-गाते अपनी खुशी व्यक्त कर रहे थे।

= महेश्वर से महाकालेश्वर तक 180 किमी की पदयात्रा =

यात्रा प्रभारी दीपेन्द्रसिंह सोलंकी ने बताया कि सोमवार, 14 जुलाई को सुबह 7 बजे महेश्वर में मां नर्मदा का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया जाएगा और उन्हें 1100 मीटर लंबी चुनरी समर्पित की जाएगी। देवी अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद, 180 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा नर्मदा का पवित्र जल लेकर उज्जैन के महाकालेश्वर के लिए प्रस्थित होगी। इसका उद्देश्य समूचे देश और प्रदेश में सुखद वर्षा और शांति-सद्भाव की प्रार्थना करना है।

कावड़ यात्रा का निर्धारित कार्यक्रम इस प्रकार है = 14 जुलाई की शाम को गुजरी, 15 को मानपुर, 16 को महू, 17 को इंदौर, 18 को रेवती रेंज, 19 को पंथ पिपलई और 20 को उज्जैन पहुंचकर रात्रि विश्राम करेगी। 21 जुलाई को सावन के दूसरे सोमवार को श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर का जलाभिषेक करेंगे।

यात्रा के साथ भोजन, तम्बू और अन्य आवश्यक सामग्रियों से भरे ट्रक भी रवाना किए गए हैं। तीन मनोहारी झाँकियाँ और शहर के प्रमुख भजन गायक भी यात्रा के साथ गए हैं, जो रात्रि विश्राम स्थलों पर भजन-संकीर्तन, रामायण पाठ, पौधरोपण और लव जिहाद के प्रति सनातनी समाज को जागरूक करने के लिए अभियान चलाएंगे।

बौद्ध अनुयायियों ने शुरु की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

महाबोधि महाविहार प्रबंधन को बौद्ध समाज को सौंपे जाने की है मांग

बालाघाट, निप्र। बिहार राज्य के बौद्ध गया स्थित महाबोधि महाविहार प्रबंधन को बौद्ध समाज के सुपुर्द करने और महाबोधि प्रबंधन के लिए पूर्व में बनाए गए बीटीएमसी 1949 कानून को रद्द करने की प्रमुख मांग को लेकर बौद्ध अनुयायियों ने जिला मुख्यालय में 10 जुलाई से धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया है। प्रदर्शनकारियों ने 13 जुलाई से धरना प्रदर्शन के साथ-साथ अब अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल भी शुरू कर दी गई है। रविवार को भदंत धर्मशेखर ने जनपद पंचायत के सामने भूख हड़ताल प्रारंभ की है।

प्रदर्शनकारियों ने बिहार राज्य की सरकार पर बौद्ध धर्म के विधि विधान व पूजा पद्धति में हस्तक्षेप किए जाने का आरोप लगाया है। सरकार जानबूझकर बौद्धों को उनके हक और अधिकारों से वंचित कर रही है। भदंत

धर्मशेखर ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक उनकी भूख हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पिछले दिनों 11 मार्च को सामाजिक बंधुओं के साथ महाबोधि महाविहार प्रबंधन को लेकर नगर के अंबेडकर चौक में प्रदर्शन किया गया था। जिसके माध्यम से उक्त मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई थी। लेकिन तब भी सरकार ने उस आंदोलन को नजरअंदाज कर दिया जिसके चलते हमें अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महाविहार में गैर बौध्दों ने अपना कब्जा जमा लिया है, उन्हें वहां से हटाना चाहिए। बिहार सरकार से मांग की है कि बीटीएमसी एक्ट 1949 को रद्द करें और महाबोधि महाविहार का प्रबंधन बौध्दों के हाथों में सौपा जाए। वहीं इसके लिए आंदोलन करने वाले सामाजिक बंधुओं पर दर्ज किए गए मुकदमे को वापस लौटाया जाए।

परिवार बचाने को स्नेह और सम्मान जरूरी: विश्वरत्न सागर म.सा.

चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में संबंधों की डोर विषय पर प्रेरक आशीर्वचन

इंदौर, निप्र। आज के बदलते सामाजिक ताने-बाने में जब परिवार बिखर रहे हैं और रिश्ते अपनी पुरानी पहचान खो रहे हैं, तब जैनाचार्य विश्वरत्न सागर म.सा. ने एक मार्मिक अपील की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परिवार को टूटने से बचाने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त एक-दूसरे के प्रति गहरा स्नेह और अटूट सम्मान का भाव रखना है। एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में संबंधों की डोर विषय पर अपने प्रेरक आशीर्वचन देते हुए उन्होंने समाज की इस बड़ी चुनौती पर प्रकाश डाला।

रिश्तों में समन्वय और संघर्ष प्रबंधन की सीख: विश्वरत्न सागर म.सा. ने बताया कि कैसे संयुक्त परिवार का स्नेह और समन्वय अब बदल रहा है और बच्चों के विदेश जाने से माता-पिता अकेले पड़ रहे हैं। उन्होंने बढ़ते तलाक के मामलों के पीछे ईर्ष्या और एक-दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति को मुख्य कारण बताया। उन्होंने परिवार के सदस्यों को धैर्य, संयम और सहनशीलता से काम लेने की सलाह दी।

धर्मसभा में मुनि प्रवर उत्तमरत्न सागर म.सा. ने परिवार बचाने के लिए तीन सूत्र दिए = संपर्क, संघर्ष और संबंध। उन्होंने ज़ोर दिया कि बेहतर संपर्क से प्रेम और समन्वय बना रहेगा, जिससे रिश्ते बिखरेंगे नहीं। गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर म.सा. ने परिवार को समाज और राष्ट्र की बुनियादी इकाई बताते हुए चातुर्मास के दौरान सिद्ध तप की आराधना का महत्व समझाया।

कार्यक्रम का संचालन शेखर गेलड़ा ने किया। आयोजन समिति की ओर से कैलाश नाहर, ललित सी जैन, हंसराज जैन और मनीष सुराना ने समाजबंधुओं का स्वागत किया। धर्मसभा में शहर के सभी प्रमुख जैन श्रीसंघों के प्रतिनिधि और पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे, जिससे सभागार खचाखच भरा रहा। समिति के पारस बोहरा, पुण्यपाल सुराना, प्रीतेश ओस्तवाल, दीपक सुराना और शैलेंद्र नाहर ने कार्यकर्ताओं के साथ व्यवस्थाएं संभालीं।

टीवी धारावाहिकों पर कटाक्ष

विश्वरत्न सागर म.सा. ने टीवी धारावाहिकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके दृश्यों से भी पारिवारिक रिश्तों में तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने जीवन में सफलता के लिए समन्वय और समझौते को आवश्यक बताया।

सीईओ डॉ. गौडा ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जल संरक्षण, पौधारोपण और स्कूलों के परीक्षा परिणाम सुधारने पर विशेष ध्यान दें

खंडवा, निप्र। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने गौरी कुंज सभागृह में आयोजित बैठक में जिले के सभी प्रधान पाठको, प्राचार्यों और जनशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने अपने क्षेत्र में जल संरक्षण, पौधारोपण और स्कूलों के परीक्षा परिणाम सुधारने पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विकास खंड में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले स्कूलों ओर उनके विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा के वे स्कूलों के निरीक्षण के दौरान मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण करें, और यदि कोई समस्या या शिकायत मिले, तो उसकी सूचना सीधे मुझे दें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि जिले की प्रत्येक शाला में एक स्मार्ट क्लास बनाने की कार्यवाही अगले एक वर्ष में पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने सभी प्राचार्यों व जन शिक्षकों से कहा कि प्रदेश सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने-अपने स्कूलों में स्वयं भी पौधे लगाएं और बच्चों से भी लगवाएं। जिला शिक्षा अधिकारी पी एस सोलंकी ने बैठक में कहा कि इस सत्र में भी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम को व्यस्थित रूप से पूर्ण करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बोर्ड परीक्षा परिणाम में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। परीक्षा परिणाम में सुधार आगे भी जारी रहे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर तैयार मासिक टेस्ट पेपर भी शालाओं को हर माह दिए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी सोलंकी ने बैठक में नि:शुल्क सायकल वितरण, नि:शुल्क पाठयपुस्तक वितरण, पर्यटन क्विज़,ऑनलाइन पर्यावरण क्विज़, एक पेड़ मां के नाम, स्कूल चले अभियान, विद्याँजलि पोर्टल, नवभारत साक्षरता, शाला प्रवेश उत्सव, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे सभी अभियानों की समीक्षा की।

अनमोल वचन

परमात्मा के प्रत्येक रूप के अनुरूप अपना रूप बना लो।
ऋग्वेद

केवल यश और नाम वाले की कोई प्रतिभा नहीं होती।
यजुर्वेद

सम्पादकीय

इंटरनेट की दुनिया में जापान की लंबी छलांग, पीटाबाइट स्पीड से डेटा ट्रांसफर

इंटरनेट की स्पीड की बात करते हैं, तो भारत में 100 एमबीपीएस या अधिकतम 1 गीगाबाइट पर सेकंड को सबसे तेज स्पीड मान लिया जाता है। जापान ने इस पैमाने को ध्वस्त कर दिया है। जापान ने हाल ही में 1 पेटाबाइट प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसफर करने की एक ऐसी तकनीकी क्रांति को जन्म दिया है जो ना केवल अभूतपूर्व है बल्कि विज्ञान और शोध के क्षेत्र में एक चमत्कारिक घटना के रूप में देखी जा रही है। जापान की इस सफलता से इंटरनेट की दुनिया में एक नया कीर्तिमान बनने जा रहा है, जो सोच से भी ज्यादा है। यह उपलब्धि जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और कई अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ मिलकर हासिल की है। पारंपरिक ऑप्टिकल फाइबर में एक की जगह 19 कोर का प्रयोग करके 10,800 किलोमीटर की दूरी तक इंटरनेट के माध्यम से डेटा ट्रांसफर करके यह कीर्तिमान स्थापित किया गया है। नेटफ्लिक्स लाइब्रेरी, विकिपीडिया के करोड़ों पेज या 8के के वीडियो डेटा को एक सेकंड से भी कम समय में डाउनलोड किया जा सकता है। यह स्पीड, भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से 1 करोड़ 60 लाख गुना ज्यादा है। अमेरिका से 35 लाख गुना तेज है। इसकी कल्पना मानव समाज ने अभी नहीं की थी। जो जापान ने करके बता दिया है। यह तकनीक की चरम सीमा है। वैश्विक स्तर पर इस उपलब्धि का प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मेडिकल साइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान एआई तकनिकी जैसे क्षेत्र अब सभी सीमाओं से मुक्त हो जाएंगे। रीयल टाइम क्लाउड प्रोसेसिंग, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और ब्रेन-मशीन इंटरफेस जैसे भविष्य के अवसर वर्तमान के दरवाजे पर खड़े दिख रहे हैं। मानव मस्तिष्क की सोच से भी कई गुना तेज गति से अब सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। कोड किए जा सकते हैं, डिकोड किए जा सकते हैं। जापान की इस सफलता ने डिजिटल दुनिया में एक नई क्रांति को जन्म दिया है। इस स्पीड के पीछे कई तरह की चुनौतियां हैं। अभी तक जो शोध और नवाचार हो रहे थे। जापान ने दिखा दिया है, तकनीक में कोई शॉर्टकट अथवा संपूर्णता नहीं होती है। जापान ने डिजिटल तकनीकी को लेकर सारी दुनिया के देशों को और वैज्ञानिकों को एक नई चुनौती दी है। कुछ महीने पहले चीन ने 10 जी की इंटरनेट सेवा का सफल परीक्षण किया था, तब इसे बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा था, लेकिन जापान ने चीन से कई गुना अधिक सफलता अर्जित कर इंटरनेट की दुनियां में चीन को पछाड़ दिया है। जापान के इस मॉडल से कल्पनाओं का लोक बहुत बड़ा हो गया है। अभी बहुत कुछ सीखने की चुनौती सामने आ गई है। इंटरनेट की यह स्पीड मानव क्षमता की पराकाष्ठा है। यह सफलता बताती है, भविष्य उनका है, जो कल्पनाओं के आधार पर विज्ञान, नवाचार की सोच को संकल्प के साथ दोड़ना जानते हैं। फिलहाल, इस रेस में जापान सबसे आगे बढ गया है। जापान की इस सफलता से अब कंप्यूटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर तथा संचार माध्यमों को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल तकनीकी में भारी बदलाव आएंगे। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है। इस सफलता के बाद मानव सभ्यता तथा मानव क्षमता में बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जापान ने जो सफलता अर्जित की है उसके कारण सभी क्षेत्रों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से यह कहा जाता था कि पूरा विश्व एक गांव के रूप में बदल गया है। भविष्य में यदि यह भी कहा जाए कि सारा ब्रह्मांड एक विलेज में बदल गया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जापान की वर्तमान सफलता को देखते हुए, अब यह कहा जा सकता है कि मानव ने देवत्व की क्षमता को प्राप्त कर लिया है। मानव जो सोचता है उसे हासिल कर पाने में कोई बाधा नहीं रही। वहीं एक खतरा यह भी दिखने लगा है, जब-जब मानव के पास असीमित शक्तियां आ जाती हैं उनका सृजन के लिए काम और विध्वंस के लिए ज्यादा उपयोग होता है। यह अभी होता हुआ दिख रहा है। रूस और यूक्रेन, गाजा और इजरायल, ईरान और इजरायल के बीच जिस तरह के युद्ध लंबे समय से चल रहे हैं उसमें तकनीकी का जिस तरह से इस्तेमाल हो रहा है उसमें विध्वंस ज्यादा हो रहा है सृजन कम हो रहा है। डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों की गतिशीलता हमारे मानव जीवन को बड़ी तेजी के साथ प्रभावित कर रही है। हमें कई तरह से शक्ति संपन्न बना रही है। इसके कारण महत्वाकांक्षा भी तेजी के साथ बढ़ रही है। यही आगे चलकर विध्वंस का कारण बनती है। तकनीकी की सफलता कहीं हमें पागलपन की ओर ना पहुंचा दे, इसके लिए सजग रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

अधिकारों और गरिमा से लैस श्रमशक्ति का निर्माण: ईएलआई योजना की भूमिका

हिरण्मय पंड्या
(अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ)

इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गई बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरुआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है। ईएलआई योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गई सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिलाकर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है। कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं व पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है। यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दर्शाती है।

श्रमशक्ति में प्रवेश और औद्योगिक संबंधों को ठोस बनाना

ईएलआई योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नए लोगों को सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हटकर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है। बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है।

औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है। यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है। इस दृष्टि से, ईएलआई योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहींहै, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

कौशल निर्माण, गतिशीलता और सतत रोजगार: ईएलआई योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोज़गार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों, आईटीआई सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केन्द्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोज़गार और विकास सुनिश्चित होता है।

राष्ट्रीय प्रगति की साझा जिम्मेदारी: ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भविष्य में, ईएलआई योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारतञ्च2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए।

ईएलआई योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों। बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

आत्मनिर्भरता और पोषण सुरक्षा की दिशा में प्रगति का एक दशक

पूर्ण चंद्र किशन एवं ऋषि कांत

पिछले दशक मेंभारत ने तिलहन पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए कृषि क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी यात्रा का आगाज किया। 2014-15 से 2024-25 के बीच, तिलहन का उत्पादन 5प्रतिशत से अधिक की मजबूत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ 275 लाख टन से55प्रतिशत बढ़कर 426 लाख टन हो गया है। तिलहन की खेती के तहत आने वाले क्षेत्र में 18प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 25.60 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर 30.27 मिलियन हेक्टेयर हो गया, जबकि उत्पादकता 1,075 किलोग्राम/हेक्टेयर से 31प्रतिशत बढ़कर 1,408 किलोग्राम/हेक्टेयर हो गई। खाद्य तेल उत्पादन में भी 44प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 87 लाख टन से बढ़कर 123 लाख टन हो गया, जो खाद्य सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण छलांग है।

कृषि क्षेत्र में सफलताओं का दशक: भारत के तिलहन क्षेत्र ने 2014-15 से सभी प्रमुख मापदंडों में उल्लेखनीय परिवर्तन का अनुभव किया है। इसके उत्पादन में 55प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 275.1लाख टन से बढ़कर 426.1 लाख टन हो गया। ऐसाउच्च उपज देने वाले बीजों की किस्मों को व्यापक रूप से अपनाने, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और सरकार से निरंतर मिलने वाले नीतिगत समर्थन के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप खाद्य तेल उत्पादन में भी 44प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 87 लाख टन से बढ़कर 125 लाख टन हो गया। खेती का रकबा 256 लाख हेक्टेयर से 18प्रतिशत बढ़कर 302.7 लाख हेक्टेयर हो गया, जो किसानों के बढ़ते आत्मविश्वास तथापरती और कम उपयोग में लाई जाने वाली भूमि को तिलहन की खेती में लाने के रणनीतिक प्रयासों को दर्शाता है। उत्पादकता में सुधार और भी अधिक उल्लेखनीय रहा, जो तकनीकी प्रगति और बेहतर कृषि पद्धतियों के कारण 1,075 किग्रा/हेक्टेयर से 31प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,408 किग्रा/हेक्टेयर तक पहुँचगयी। रेपसीड-सरसों, सोयाबीन और मूंगफली जैसी प्रमुख तिलहन फसलों ने उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभाई, जबकि नारियल, बिनौला और चावल की भूसी जैसे द्वितीयक स्रोतों ने उत्पादन को बढ़ावा दिया।

किसानों को सशक्त बनाना- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)और खरीद क्रांति

कृषि के क्षेत्र में इस परिवर्तन का आधार तिलहन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में पर्याप्त वृद्धि होना रहा है, जिससे किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित हुआ है। तिलहन के लिए एमएसपीमें नाटकीय वृद्धि देखी गई, जिसमें नाइजर बीज 142.14प्रतिशत (3,600 रुपये प्रति क्विंटल से 8,717 रुपये प्रति क्विंटल), तिल 101.46प्रतिशत (9,267 रुपये प्रति क्विंटल) और रेपसीड-सरसों (91.94प्रतिशत) और मूंगफली (69.58प्रतिशत) जैसे अन्य 2014-15 के मुकाबले बढ़े, जिससे किसानों की आय में पर्याप्त वृद्धि हुई, जिससे तिलहन की खेती लाभदायक बन गई। एमएसपी में इस जबरदस्त वृद्धि के साथ-साथ सरकारी खरीद कार्यों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। 2014-15 में तिलहन की सरकारी खरीद न्यूनतम थी, जो कि मात्र 4,200 मीट्रिक टन थी और एक या दो फसलों तक सीमित थी। 2024-25 तक, यह खरीद बढ़कर 41.8 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गई है, जिसमें मूंगफली (17.7 लाख मीट्रिक टन), सोयाबीन (20 लाख मीट्रिक टन) और रेपसीड/सरसों (4 लाख मीट्रिक टन) जैसी प्रमुख फसलें शामिल हैं। यह उल्लेखनीय वृद्धि, विशेष रूप से पीएम-आशा जैसी योजनाओं के माध्यम से हुई है। यह एमएसपी हस्तक्षेपों के सार्थक पैमाने पर संचालन को दर्शाती है, जो बाजार की अस्थिरता के बीच किसानों के लिए आय सुरक्षा सुनिश्चित करती है। एमएसपी और खरीद समर्थन में वृद्धि को पूर्णता प्रदान करते हुए और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता में तेजी लाने के लिए, सरकार ने दो प्रमुख मिशन शुरू किए- राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन(2024)और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन ऑयल पाम (2021) ।10,103 करोड़ रुपये के बजट के साथ, एनएमईओ-तिलहन का लक्ष्य 2030-31 तक उत्पादन को दोगुना करके69.7 मिलियन टन करना है, 40 लाख हेक्टेयर परती भूमि में खेती का विस्तार करना और उच्च उपज देने वाले बीजों की किस्मों और क्लस्टर-आधारित मॉडल को बढ़ावा देना है। इस बीच, 11,040 करोड़ रुपये से समर्थित एनएमईओ-ओपी, किसानों की आय बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए इसकी उच्च उत्पादकता और आय क्षमता का लाभ उठाते हुएविशेष रूप से पूर्वोत्तएर और अंडमान क्षेत्रों में ऑयल पाम की खेती का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

खपत, आयात और स्वास्थ्य पर गौर करना: घरेलू उत्पादन में प्रभावशाली वृद्धि होने के बावजूद, बढ़ती आय, शहरीकरण और लोगों द्वारा प्रसंस्कृत और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों का रुख किए जाने ने भारत के खाद्य तेल की खपत को 2023-24 में 27.8 मिलियन टन तक पहुंचा दिया है, जिससे प्रति व्यक्ति सेवन 19.3 किलोग्राम तक पहुंच गया है - जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के 12 किलोग्राम के अनुशंसित स्तर से लगभग 60प्रतिशत अधिक है।1950 के दशक से मांग में पाँच गुना वृद्धि है, जिसने देश में तिलहन के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज होने के बावजूद आयातित तेलों पर हमारी निर्भरता बरकरार रखी है। इसके अलावा, खाद्य तेलों की अधिक खपत से अवांछनीय स्वास्थ्य परिणाम भी होते हैं, जो मोटापे की दर और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को बढ़ाने में योगदान करते हैं। एनसीडी, आंशिक रूप से अत्यधिक आहार वसा से प्रेरित है, जिससे भारत को 2030 तक 4.58 ट्रिलियन रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। इसे पहचानते हुएप्रधानमंत्री ने तेल की खपत में 10प्रतिशत कमी लाने का आह्वान किया है, जो मोटापे, मधुमेह और हृदय रोगों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक साहसिक कदम है। स्वास्थ्य के अलावा, यह घरेलू आपूर्ति-मांग की गतिशीलता को संतुलित करने और आयात के दबाव को कम करने में मदद कर सकता है।

आत्मनिर्भरता को मजबूत करना- आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ: खाद्य तेलों-खासकर पाम और सोयाबीन-पर बड़े पैमाने परभारत की निर्भरता ने एक बड़ी आर्थिक कमजोरी को जन्मे दिया है।

हिन्दू राष्ट्रवादियों की आंख में खटक रहे हैं संविधान की उद्देशिका में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद

राम पुनियानी

आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले आरएसएस के दूसरे सबसे बड़े नेता हैं। हाल में उन्होंने 1975 में देश में आपातकाल लागू किए जाने के संदर्भ में कहा कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद ये दोनों शब्द आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की उद्देशिका में जोड़े गए थे। चूंकि ये शब्द डॉ. अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के मूल मसविदे की उद्देशिका का हिस्सा नहीं थे इसलिए इन्हें हटाया जाना चाहिए। हिन्दुत्ववादियों की ओर से इस तरह की मांग पहली बार नहीं हो रही है। सन 2014 में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद के पहले गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2015) के अवसर पर सरकार ने एक विज्ञापन जारी किया, जिसमें छपे उद्देशिका के चित्र से ये दोनों शब्द गायब थे। बहाना यह बनाया गया कि नवंबर 1949 को जारी संविधान के अंतिम मसविदे में ये शब्द नहीं थे। इस मुद्दे पर खूब बहस-मुबाहिसे हुए और अदालतों में याचिकाएं दायर कर यह मांग की गई कि संविधान से इन शब्दों को हटाया जाए। संविधान को अंगीकृत किए जाने की 75वीं वर्षगांठ (25 नवंबर, 2014) के पहले इसी मांग को लेकर कई याचिकाएं दायर की गईं। उच्चतम न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत का कहना था कि इन दोनों शब्दों को जोड़ने पर केवल इस आधार पर आपत्ति नहीं की जा सकती कि जिस समय संविधान को अंगीकृत किया गया था उस समय उद्देशिका में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे। इन दोनों मूल्यों ही नहीं हिन्दू राष्ट्रवादी तो पूरे संविधान के खिलाफ हैं। संविधान सभा में बहसों के दौरान कई नेताओं ने यह आशंका जाहिर की थी कि धर्मनिरपेक्षता को कमजोर किए जाने के प्रयासों के खिलाफ सावधान रहने की जरूरत है। एक उदाहरण सरदार पटेल का है। उन्होंने कहा था, ''मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भारत के इस संविधान, स्वतंत्र भारत के इस संविधान, एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के इस संविधान, में साम्प्रदायिक आधार पर कोई प्रावधान शामिल कर इसे विरूपित नहीं किया जाएगा।'' जहां तक संविधान का प्रश्न है, होसबोले के तर्क में कोई खास दम नहीं है क्योंकि संविधान के प्रावधानों में ये दोनों मूल्य शामिल हैं। अनुच्छेद 25 अंतर्रात्मा और आस्था की स्वतंत्रता की गारंटी और अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की आजादी देता है। इस अनुच्छेद के खंड (2) (क) में ''धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग किया गया है। चुनावी मजबूरियों के चलते भाजपा एक साथ कई अलग-अलग स्वरों में बात करती रही है। उसने शुरूआत गांधीवादी समाजवाद से की थी। 1985 में उसने गांधीवादी समाजवाद को छोड़कर जातिगत ऊँच-नीच पर आधारित एकात्म मानववाद का वरण कर लिया। भाजपा द्वारा सन 2012 में अपने जिस संविधान का निर्माण किया गया, उसमें कहा गया है कि, ''पार्टी विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान तथा समाजवाद, पंथ-निरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखेगी तथा भारत की प्रभुसत्ता, एकता और अखण्डता को कायम रखेगी।'' आरएसएस-भाजपा का मूल एजेण्डा हिन्दू राष्ट्र का निर्माण है जो मनुस्मृति द्वारा शासित होगा। 26 जनवरी 1950 को भारत के संविधान के लागू होने के पहले ही आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने एक संपादकीय में संविधान की कड़ी निंदा की। 30 नवंबर 1949 को आर्गनाईजर ने लिखा, ''भारत के नए संविधान के बारे में सबसे खास बात यह है कि इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे भारतीय कहा जाए।

खास बात

अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण

भारतीय वायु सेना ने अस्त्र मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। हवा से हवा में मार करने वाली यह मिसाइल सुखोई विमान से लांच करने में सफलता अर्जित की है। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की सबसे बड़ी सफलता है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध में उपयोग में आने वाले अस्त्र-शस्त्रों में तकनीकी का इस्तेमाल हो रहा है। उसके लिए अब भारत ने भी कमर कस ली है। भारत अब रक्षा संयंत्रों को न केवल अपनी जरूरत के लिए बना रहा है। वरन अब निर्यात की दिशा में भी बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सेना की इस सफलता की चर्चा, सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अभी तक हम शस्त्र आयात करते थे, अब बड़ी तेजी के साथ निर्यात की ओर बढ़ रहे हैं। मेक इन इंडिया की इसको ही सबसे बड़ी सफलता माना जा सकता है।

नुकसान की एक तस्वीर दिखा सकते हो?

22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले में विभिन्न राज्यों से आए हुए 28 पर्यटकों की मौत हुई थी। उसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान के 9 आतंकी अड्डों पर हमला किया। हमले के पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी गई थी। वैश्विक दबाव के कारण सीज फायर करना पड़ा। पहलगाम की घटना के आतंकवादी आज तक नहीं पकड़े गए। सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान ने हमला करके कई लोगों की जान सीमा पर ले ली। सीज फायर के कारण सरकार को काफी परेशानी झेलना पड़ रही थी। हाल ही मे अस्त्र मिसाइल का परीक्षण किया गया। उसकी सफलता से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के चेहरे की रौनक वापस लौट आई है। उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बिहार चुनाव में भाजपा करेगी चोरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है। महाराष्ट्र की तरह भाजपा बिहार के चुनाव में भी चोरी करने की कोशिश कर रही है। नेता दवय ने कहा कि वह बिहार के विधानसभा चुनाव में चोरी नहीं होने होंगे। कांग्रेस के नेता बयान तो बहुत देते हैं। आंदोलन करने के लिए सड़कों पर नहीं उतरते हैं। कांग्रेस के पास बिहार में कार्यकर्ता नहीं है। कांग्रेस सब कुछ अदालत और चुनाव आयोग के ऊपर छोड़कर विरोध दर्ज कर रही है। बिहार में कांग्रेस तेजस्वी यादव के भरोसे है। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार जैसे लोग बिहार में यहां से वहां घूम रहे हैं। राहुल गांधी का तेजस्वी यादव के साथ एक तरफा प्यार है। इससे कांग्रेस को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जनता का समर्थन प्राप्त करना है, तो उन्हें जनता को अपने साथ जोड़ना होगा।

विपक्ष डाल-डाल, चुनाव आयोग पात-पात

केंद्रीय चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। केंद्र सरकार ने कानून बनाकर चुनाव आयुक्तों को संरक्षण दे दिया है। वह कुछ भी करें, उनके ऊपर कोई मुकदमा नहीं चलेगा, ना कोई जांच होगी ना कभी कोई सजा होगी। ऐसी स्थिति में चुनाव आयुक्त भाजपा के पक्ष में वह हर काम करने के लिए तैयार हैं, जो सरकार चाहती है। चुनाव आयोग को सरकार से सब कुछ मिलता है। विपक्ष के पास सिवाय गाली देने के और कुछ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष की बात सुन ली। चुनाव आयोग को सुझाव दे दिया। चुनाव आयोग मान ले तो ठीक है, नहीं माने तो भी ठीक है। चुनाव आयोग की तरह जजों को भी अपनी चिंता है। बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण मे 74 फ़ीसदी मतदाताओं ने फार्म जमा कर दिए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, चौथ, सोमवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, आद्र योगे, वव करणे, कुंभ की चंद्रमा श्री गणेश चौथ व्रत चंद्रोदय 9.29 रात्रि सोमवार व्रत रिक्ता दोष तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, लकड़ी का व्यापारी, आरा मशीन वाला, दरवाजा, खिड़की, चौखट निर्माणकर्ता तथा जंगल का ठेकेदार तथा धनी होगा।

मेष राशि- नेत्र पीड़ा, यात्रा विवाद, कष्ट, पारिवारिक समस्या बनी रहेगी, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि- मित्र कष्ट, यात्रा के योग बनेंगे, भय, लाभ, सामाजिक कार्य में सावधानी रखें, अवरोध होगा।

मिथुन राशि- धन का व्यय होगा, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य संतोषप्रद रहेगा, कार्य ध्यान से करें।

कर्क राशि- यात्रा सखुवर्धक होगी, भूमि लाभ से हर्ष, अस्थिरता व अशांति का वातावरण रहेगा।

सिंह राशि- शत्रु भय, प्रवास, विरोध होगा, चोटादि से बचें, कार्य पर ध्यान दें, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या राशि- चिन्ता, विरोध, चोटादि भय, समय पर कार्य निपटाने का प्रयास करें, धैर्य रखें।

तुला राशि- सुख-सफलता के योग बनेंगे, निर्माण कार्य होगा, प्रवास योग, शुभ कार्यों का विरोध होगा।

वृश्चिक राशि- आंशिक नेत्र पीड़ा, अपयश, कारोबार में उथल-पुथल रहेगी, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

धनु राशि- व्यापार में विवाद की स्थिति बनेगी, चिन्ता कष्टप्रद रहेगी, शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि- धन लाभ, स्थानंतरण के योग हैं, नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, समय का लाभ लें।

कुंभ राशि- भय, विवाद, चिन्ता, कष्ट, आंशिक लाभ के योग, जमीन-जायजाद का कर्ज चुकाना होगा।

मीन राशि- संतान सुख, प्रवास, धन लाभ, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, पारिवारिक लोगों से सावधान रहें।

डॉ. पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

14 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.38 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.54 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.06 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.31 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.11 बजे से
राहुकाल		मेष	23.42 बजे से
7.30 से 9.00		वृष	01.22 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.20 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 195 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 06.49 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 16.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.34 बजे तदनन्तर बालव 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 40' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872405 **जूलियन दिन** 2460870.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 18 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

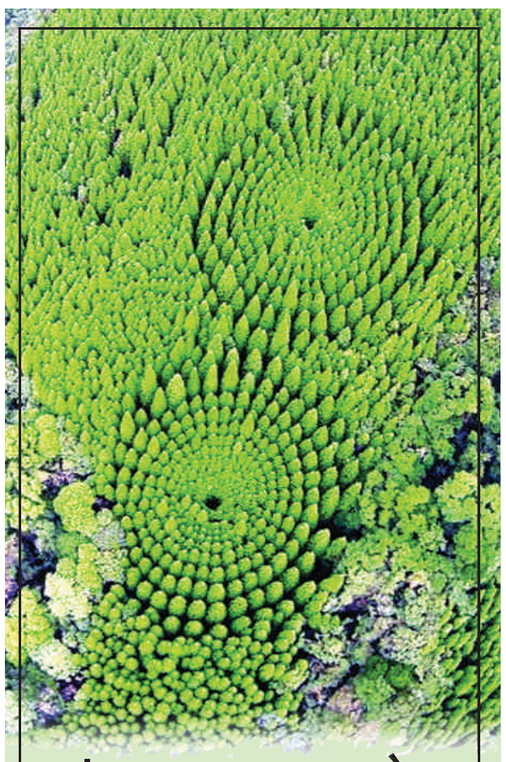

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था। एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।

एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चढ़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।

वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपेउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते. कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं. बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.

इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.

बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.

इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

संक्षिप्त समाचार

पिछले साल से अधिक भव्य होगा यूपीएल सीजन 2 : वर्मा

देहरादून। उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) सीजन 2 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड (सीएयू) के सचिव माहिम वर्मा ने बताया कि सितंबर 2025 में होने वाले इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य बनाया जाएगा। उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव माहिम वर्मा ने बताया कि उत्तराखंड में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ उत्तराखंड (सीएयू) लगातार काम कर रहा है। पिछले कुछ सालों से उत्तराखंड की महिला क्रिकेट टीम का बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा। वहीं उत्तराखंड से निकले कई पुरुष खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय पटल पर अपनी छाप छोड़ी है। 2024 में हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल सीजन 1) से भी यहां क्रिकेट को बड़ा बूस्ट मिला। उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव माहिम वर्मा ने बताया कि इस बार अक्टूबर से क्रिकेट का डोमेस्टिक सीजन शुरू हो जाएगा। इससे पहले क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड यूपीएल संपन्न करवा देगा। उन्होंने कहा कि पिछले सीजन में तैयारी को लेकर एसोसिएशन को बहुत कम समय मिला था। इस बार हमारे पास पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा कि इस बार का उत्तराखंड प्रीमियर लीग पिछले साल से और अधिक भव्य होगा।

लॉर्ड्स टेस्ट : तीसरे दिन भारत-इंग्लैंड दोनों की पहली पारी 387 रनों पर समाप्त

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 2 रन बना लिए हैं। इस टेस्ट मैच की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि दोनों टीमों ने अपनी पहली पारी में समान 387 रन बनाए, जिससे मुकाबला अब पूरी तरह से संतुलित हो गया है। तीसरे दिन भारत ने 145/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और ऋषभ पंत ने भारतीय पारी को मजबूती प्रदान करते हुए चौथे विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी की। इस दौरान राहुल ने अपने टेस्ट करियर का दसवां शतक जड़ा। वह 100 रन बनाकर आउट हुए। वहीं पंत ने तेजतर्रार अंदाज में 74 रन बनाए, लेकिन एक लापरवाह रन लेने के प्रयास में रन आउट हो गए। भारत ने 254 रन तक अपने पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद रवींद्र जडेजा (72) और नितीश कुमार रेड्डी (34) ने छठे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी कर टीम को आगे बढ़ाया। नितीश के आउट होने के बाद जडेजा और वाशिंगटन सुंदर (23) ने सातवें विकेट के लिए 50 रन जोड़े। हालांकि भारत ने 376 रन पर अपना सातवां विकेट गंवाया, और उसके बाद सिर्फ 11 रनों के भीतर शेष तीन विकेट भी गंवा दिए। भारत की पूरी पारी 387 रनों पर समाप्त हुई।

प्रकर्ति की अद्भुत छठा बादलों में धावकों ने जमकर लगाई दौड़

विभिन्न राज्यों से पहुंचे मानसून मैराथन में शामिल होने धावक

जोरदार बारिश के बीच हुई पचमढ़ी मानसून मैराथन

नर्मदापुरम ■ निप्र

मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध हिल स्टेशन पचमढ़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं जिला प्रशासन के सहयोग से एवं 'एडवेंचर एंड यू' (केए कनेक्ट) के माध्यम से पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य आयोजन रविवार को किया गया. जिला प्रशासन नर्मदापुरम के सहयोग से आयोजित मैराथन में देशभर से लगभग 2000 धावकों ने एवं 7 अंतराष्ट्रीय धावक भी मैराथन में शामिल हुए .कई धावक नागपुर ओर भोपाल शहर से सायकल चलाकर पचमढ़ी मानसून मैराथन में शामिल हुए देशभर से ध्वकों ने लिया दौड़ में हिस्सा पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 42 किमी, 21 किमी, 10 किमी एवं 5 किमी की श्रेणी के लिए मैराथन हुई.

मानसून मैराथन दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेन व्यू होटल से हुई. 42 किमी दौड़ अलसुबह 4 बजे शुरू हुई. बची तीनों दौड़ सुबह 6 बजे शुरू की गई. मैराथन को टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने

फ्लैग ऑफ कर मैराथन का आरंभ किया.

मानसून मैराथन में आकर्षण का केंद्र रहे 6 वर्ष के बच्चे एवं 70 प्लस के बुजुर्गों ने लगाई दौड़ साथ ही दो दिव्यांगों कारंजा महाराष्ट्र से श्रीकांत राउत 5 किमी में ओर मुम्बई से निरंजन जादव ने 21 किमी मैराथन में हिस्सा इस दौड़ में निधि जो कि मूकबधिर है उन्होंने 21 किमी की रेस जीती। अलसुबह से ही पचमढी का मौसम का मजा ले रहे धावकों ने जोरदार दौड़ लगाई साथ ही रिमझिम बारिश का लिया मजा साथ ही पचमढी की अद्धभुत छठा बादलों के बीच मैराथन दौड़ बारिश में सुंदर झरनों की बहार सी आई हुई है ।दौड़ में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों को दिए गए मैडल साथ ही विजयी हुए प्रतिभागियों को ट्रॉफी भी दी गई सभी प्रतिभागियों ने बड़े ही उत्साहपूर्वक आयोजन का लाभ उठाया और पचमढ़ी अद्धभुत छठा का लिया मजा।

दौड़ में प्रतिभागी हुए विजय

42 किमी पुरूष :जितेंद्र पाटले प्रथम
42 किमी महिला : रितुजा माड़वी प्रथम
21 किमी पुरूष : मोहित कोरे प्रथम
21 किमी महिला : निकिता साहू प्रथम
10 किमी पुरूष : विशाल कौशल प्रथम
10 किमी महिला : रीता तरारे प्रथम
5 किमी पुरूष : लक्ष्य पटेल प्रथम
5 किमी महिला : सान्वी देशमुख प्रथम

विम्बलडन 2025- पोलैंड की इगा स्वियातेक ने रचा इतिहास, पहली बार जीता महिला एकल खिताब

लंदन ■ एजेंसी

पोलैंड की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने शनिवार को विम्बलडन 2025 के महिला एकल फाइनल में इतिहास रचते हुए अपने करियर का पहला विम्बलडन खिताब जीत लिया है। 24 वर्षीय स्वियातेक ने अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा को महज 26 मिनट में 6-0, 6-0 से हराकर टेनिस जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

यह जीत न केवल स्वियातेक के लिए भावनात्मक रूप से खास रही, बल्कि उन्होंने पोलैंड की पहली महिला खिलाड़ी बनने का गौरव भी हासिल किया है जिन्होंने विम्बलडन का खिताब अपने नाम किया है। यह इगा स्वियातेक का छठा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वे चार बार फ्रेंच ओपन और एक बार यूएस ओपन जीत चुकी हैं। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक खेले सभी छह ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले जीते हैं, यानी उनका फाइनल में जीत का रिकॉर्ड शतप्रतिशत है। 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के लिए यह फाइनल किसी दुःस्वप्न से कम नहीं रहा। वे पूरे मुकाबले में एक भी गेम नहीं जीत सकीं। स्वियातेक के आक्रामक अंदाज और बेजोड़ नियंत्रण ने उन्हें कोर्ट पर टिकने नहीं दिया। इस तरह की एकतरफा जीत विम्बलडन जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में विरले ही देखी जाती है। स्वियातेक को अब तक क्ले कोर्ट स्पेशलिस्ट माना जाता था, खासकर राफेल नडाल की तरह। लेकिन इस बार उन्होंने ग्रास कोर्ट पर भी अपनी बादशाहत साबित कर दी है। अब वे हर प्रमुख सर्फेस पर ग्रैंड स्लैम जीतने वाली चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो चुकी हैं। जैसे ही स्वियातेक ने मैच का अंतिम पॉइंट जीता, उन्होंने भावुक होकर कोर्ट पर बैठकर जीत का जश्न मनाया। यह क्षण टेनिस प्रेमियों के लिए लंबे समय तक यादगार रहेगा। उल्लेखनीय है कि महिला प्रोफेशनल टेनिस की शुरुआत 1926 में हुई थी, और 99 वर्षों बाद 2025 में, पोलैंड की किसी महिला खिलाड़ी ने पहली बार विम्बलडन ट्रॉफी उठाई। यह उपलब्धि खुद में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने योग्य है।

खेल मंत्री मांडविया ने गांधीनगर में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का 31वां संस्करण रविवार सुबह देशभर में आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात के गांधीनगर में 500 से अधिक प्रतिभागियों के एक समूह का नेतृत्व किया। इस सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ साझेदारी में आयोजित इस साइकिलिंग अभियान में देश भर के 7000 से अधिक स्थानों पर 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' के संदेश को मजबूत करते हुए 3000 नमो फिट इंडिया साइक्लिंग क्लबों ने भाग लिया।युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में डॉ. मांडविया ने कहा कि फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अब एक शक्तिशाली राष्ट्रव्यापी पहल बन गई है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया मिशन को पूरी ताकत से आगे बढ़ा रही है। यह वास्तव में एक ऐसी श्रृंखला बन गई है जो न केवल फिटनेस के बारे में है, बल्कि राष्ट्रीय परिवर्तन का भी प्रतीक है। आज 7000 से ज्यादा जगहों पर हमारे युवाओं ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

डॉ. मांडविया ने भारतीय युवा महिला हैंडबॉल टीम से भी बातचीत की,

जो वर्तमान में गांधीनगर स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में अपने राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में भाग ले रही है।

दिल्ली में द ग्रेट खली ने बढ़ाई शोभाराष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम एक उत्सव जैसे माहौल में आयोजित किया गया, जिसमें रस्सी कूद, जुम्बा और हठ योग गतिविधियां शामिल थीं। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन और यह उपलब्धि हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय दलीप सिंह राणा उर्फ द ग्रेट खली ने इस अभियान को हरी झंडी दिखाई। 3000 से ज्यादा युवा और बुजुर्ग फिटनेस प्रेमियों की उपस्थिति में 52 वर्षीय खली ने भारत के %विश्वगुरु% बनने में फिटनेस के महत्व पर जोर दिया।

खली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि भारत विश्वगुरु बने और यह सपना तभी साकार होगा जब हम स्वस्थ और सशक्त होंगे। आइए हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के इस विचार को मजबूत करें और सभी को जागरूक करें। आइए हम सब रोजाना एक घंटा फिटनेस के लिए निकालें और उसके बाद बाकी जिंदगी को संभालें।

संक्षिप्त समाचार

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

नई दिल्ली। भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत निर्यातक बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंपनियों का जलवा

मुंबई। भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और एचयूएल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं।

देश की 8 कंपनियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ गिरा, टीसीएस को सबसे अधिक नुकसान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 2 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 47 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा हिन्दुस्तान यूनिलीवर को हुआ।

इस सप्ताह के कारोबार के दौरान हिन्दुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में 47,396.70 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), इंफोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 2,07,501.58 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। 7 से 11 जुलाई के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ रुपये की गिरावट के

साथ 11,81,450.30 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 54,483.62 करोड़ रुपये घट कर 10,95,887.62 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 44,048.20 करोड़ रुपये लुढ़क कर 20,22,901.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 18,818.86 करोड़ रुपये कम होकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 14,556.84 करोड़ रुपये घट कर 10,14,913.73 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 11,954.25 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,83,322.91 करोड़ रुपये के स्तर पर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 15,20,969.01 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 2,989.75 करोड़ रुपये घट कर 7,21,555.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 5,033.57 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,80,010.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 20,22,901.67 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 15,20,969.01 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,81,450.30 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,95,887.62 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,14,913.73 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,21,555.53 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 6,62,564.94 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,92,120.49 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (कुल मार्केट कैप 5,83,322.91 करोड़ रुपये) और बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,80,010.68 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

साप्ताहिक समीक्षा : अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी और इंडो-यूएस ट्रेड डील में देरी से रहा अस्थिरता का माहौल

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी को अनिश्चितता और इंडो-यूएस ट्रेड डील में हो रही देरी के कारण पिछले सप्ताह स्टॉक मार्केट में लगातार अस्थिरता का माहौल बना रहा। इस वजह से 7 जुलाई से लेकर 11 जुलाई तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार ज्यादातर समय उतार चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ कारोबार करता रहा। 11 जुलाई को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 932.42 अंक यानी 1.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,500.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 311.15 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ 25,149.85 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई के लार्जकैप इंडेक्स में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन कंपनी, हिंदुस्तान जिंक, इंडस टावर्स, वेदांता और इंफो एज इंडिया के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर मैनकाइंड फार्मा, वारी एनर्जीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, डाबर इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। लार्ज कैप इंडेक्स की तरह ही बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में भी साप्ताहिक आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से आरती इंडस्ट्रीज, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया, भारत फोर्ज, अरबिंदो फार्मास्युटिकल्स, एंड्यूरेंस टेक्नोलॉजीज, प्रेसीजन फोर्जिंग्स, भारती हेक्साकॉम और सोना बीएलडब्ल्यू के शेयर गिरावट के साथ कारोबार करने के बाद टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर प्रीमियर एनर्जीज, रिलैक्सो फुटवियर्स, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स, डेल्ही वेरी, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस, इमामी, प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स और कमिंस इंडिया के शेयर 5 से 11 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप की तरह ही बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में भी पिछले सप्ताह गिरावट का रुख बना रहा। हालांकि इस सूचकांक में तुलनात्मक रूप से थोड़ी कम गिरावट दर्ज की गई। स्मॉलकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ? इस इंडेक्स में शामिल केआर रेल इंजीनियरिंग, हैप्टन स्काई रियल्टी, सिंधु ट्रेड लिंक्स, ड्रीमफोक्स सर्विसेज, सिगाची इंडस्ट्रीज, साधना नाइट्रोकेम, गरवारे हाईटेक फिल्म्स, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज, दीपक फर्टिलाइजर्स एंड पेट्रोकेमिकल कॉरपोरेशन, इंडियन मेटल एंड फेरो एलॉयज, शारदा क्रॉपकेम और एनएसीएल इंडस्ट्रीज के शेयर 7 से लेकर 14 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एवमे सोलर होल्डिंग्स, पेनिनसुला लैंड्स, जॉन क्रोकरील इंडिया, जयप्रकाश पावर वेंचर्स, शिवा सीमेंट, डिश टीवी इंडिया और फोर्स मोटर्स के शेयर 15 से 39 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ शेयरों में आया 5 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के

शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है। बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया।

प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह 3 नए आईपीओ देंगे दस्तक, 6 की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (हि.स.)। सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान तीन कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली है। इनमें एक ऐंथेम बायो साइंसेज का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष दो कंपनियों के आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 10 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी कल तक बोली लगाई जा सकती है। अगले सप्ताह सोमवार से लेकर गुरुवार तक 6 कंपनियों के शेयर स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाले हैं। इसके अलावा इसी सप्ताह एक कंपनी का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) भी

लिस्ट होने वाला है।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 14 जुलाई को ही ऐंथेम बायो साइंसेज का 3,395 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 540 रुपये से लेकर 570 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 26 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

14 जुलाई को ही स्पनवेब नॉनवोवेन का 60.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में भी 16 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 90 रुपये से लेकर 96 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 16 जुलाई को मोनिका एल्कोबेव का 153.68 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 18 जुलाई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत 271 रुपये से लेकर 286 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 21 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद 23 जुलाई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे। इसके अलावा पिछले सप्ताह 10 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज के 582.26 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी कल तक बोली लगाई जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रेन के डिब्बों में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रविवार को ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। रेल मंत्री से यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि उत्तर रेलवे के लोको इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरों का सफल परीक्षण किया जा चुका है। रेल मंत्री ने सभी 74,000 कोचों और 15,000 लोको में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। प्रत्येक कोच में चार डोम कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें से दो प्रत्येक प्रवेश द्वार पर होंगे। लोकोमोटिव में छह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो इंजन के आगे, पीछे और दोनों तरफ की निगरानी करेंगे। साथ ही, इंजन की आगे और पीछे की कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ये कैमरे नवीनतम मानकों वाले होंगे और मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता (एसटीक्यूसी) प्रमाणित होंगे, जिससे कि बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने भी बैठक के दौरान अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपने निर्देश में कहा है कि ये कैमरे तेज गति (100 किमी प्रति घंटे से अधिक) पर भी स्पष्ट वीडियो रिकॉर्ड करें और कम रोशनी में भी अच्छी क्वालिटी की फुटेज दें। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया एआई मिशन के तहत कैमरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए डेटा का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा सकता है।

कांवड़ मेला: हरिद्वार में ड्रोन और मोटर बोट से एसडीआरएफ की रहेगी कड़ी निगरानी

हरिद्वार। श्रावण मास के कांवड़ मेले के तीसरे दिन हरिद्वार में लाखों शिवभक्त हर की पैड़ी और गंगा घाटों पर उमड़ रहे हैं। हादसों को रोकने के लिए इस बार एसडीआरएफ ने हाईटेक प्लानिंग के तहत 'ड्रोन निगरानी' को अपनाया है। एसडीआरएफ की टीमें ड्रोन से घाटों पर नजर रखती हैं। जैसे ही कोई श्रद्धालु गंगा के बहाव में फंसता है या रेलिंग पार करता है, ड्रोन ऑपरेटर तुरंत संदेश भेजता है। मोटर बोट टीम कुछ क्षणों में पहुंचकर श्रद्धालु को सुरक्षित निकाल लेती है। एक जवान ड्रोन उड़ाता है, दूसरा दूरबीन से निगरानी करता है, तीसरा वायरलेस पर संचार करता है और चौथा बोट को तैयार रखता है। ड्रोन और मोटर बोट के साथ हाईटेक निगरानी ने हरिद्वार के घाटों को और अधिक सुरक्षित बना दिया है। एसडीआरएफ के इंस्पेक्टर कविंद्र सजवाण ने बताया कि इस अभियान से हर रोज न जाने कितनी जानें बचाई बचाई जा रही है। हर की पैड़ी सहित बड़े घाटों पर एसडीआरएफ की टीम में 24 × 7 निगरानी कर रही है। सजवाण का कहना है, यह केवल ड्यूटी नहीं, एक पुण्य है। यही मानकर एसडीआरएफ के जवान गर्मी, बारिश और भीड़भाड़ में भी बिना रुके 'शिव भक्तों की जान की रक्षा' में लगे हुए हैं।

पाकिस्तान में बारिश का कहर, 98 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। अरब सागर से आई नमी की वजह से पंजाब में मॉनसून एक्टिव है। लाहौर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ गई है। एनडीएमए के अनुसार, 26 जून से यानी 16 दिन में अब तक देशभर में मूसलाधार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कम से कम 98 लोगों की जान चली गई है और 185 अन्य घायल हो गए हैं। पंजाब प्रांत में सबसे अधिक 37 मौतें हुई, जिनमें 20 बच्चे शामिल हैं, इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा में 30 लोगों की जान गई।अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि कई जगह तेज बारिश से नदियों का पानी बढ़ सकता है। कुछ कमजोर इलाकों में बाढ़ आने की भी आशंका जताई गई है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को उर्वरकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के हित में उर्वरकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इस अभियान का उद्देश्य नकली और घटिया उर्वरकों की बिक्री को रोकना और किसानों को सही और गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाने और उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें सही समय पर किफायती और गुणवत्ता वाले उर्वरक मिलना जरूरी है। उन्होंने बताया कि

उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत नकली या घटिया उर्वरकों की बिक्री प्रतिबंधित है और इसके उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाती है।

मंत्री ने राज्यों को निर्देश दिए हैं कि वे उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें और कालाबाजारी, अधिक मूल्य निर्धारण जैसी अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें। साथ ही, नकली और घटिया उर्वरकों की पहचान के लिए नियमित जांच, नमूना परीक्षण और कड़ी निगरानी जरूरी है। उन्होंने नैनो-उर्वरकों या जैव-उत्तेजक उत्पादों की जबरन टैगिंग पर भी रोक लगाने को कहा है।

इसके अलावा, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जैसे लाइसेंस रद्द करना और प्राथमिकी दर्ज करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि राज्यों को किसानों और किसान समूहों को निगरानी में शामिल करना चाहिए और उन्हें नकली उत्पादों की पहचान के लिए जागरूक करना चाहिए।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश आज कानून, निवेश और उद्योग का गढ़ बन गया है

युवाओं के लिए रोज़गार ला रही ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं

लखनऊ ■ एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आज कानून, निवेश और उद्योग के नए मानक गढ़ रहा है। ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं न सिर्फ रक्षा क्षेत्र को मज़बूती दे रही हैं, बल्कि युवाओं के लिए रोज़गार भी ला रही हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। निवेश बढ़ रहा है। उद्योग-धंधे फल-फूल रहे हैं।

बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, मेट्रो, मेडिकल कॉलेज-ये सब विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया था। यह फैसिलिटी रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

रक्षामंत्री नेशनल पीजी कालेज सभागार में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चंद्रभानु गुप्ता के 124 वें अवतरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि 'कामराज प्लान' से चंद्रभानु गुप्त सहमत नहीं थे। चंद्रभानु ने 'कामराज प्लान' के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। एक चुने हुए नेता

को कुछ लोगों की नापसंदगी की वजह से पद से हटना पड़ा था। रक्षामंत्री ने कहा कि स्व. चंद्रभानु गुप्ता का जीवन सदैव सेवा और सादगी का प्रतीक रहा। उन्होंने प्रशासन और राजनीति में सेवा की भावना की परंपरा डाली और जनता के हितों को सबसे ऊपर रखने का मंत्र दिया।

जब भी हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं, तो चंद्रभानु गुप्ता का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। आज जब हम यह डाक टिकट जारी कर रहे हैं, तो यह केवल चंद्रभानु गुप्ता जी के नाम का ही सम्मान नहीं है, यह उनके उच्च जीवन मूल्यों का सम्मान है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जो प्रशासनिक व्यवस्था देश और प्रदेश में कार्य कर रही है, उसकी नींव बनाने में चंद्रभानु गुप्ता जैसे लोगों का बहुत योगदान रहा है। उन्होंने प्रशासन और राजनीति में सेवा की भावना की परंपरा डाली और जनता के हितों को सबसे ऊपर रखने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रभानु के पास बहुत लंबे समय तक सत्ता नहीं रही। लेकिन जितने भी कम समय के लिए वह सत्ता में रहे उन्होंने जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी। वह हमेशा अपनी शुचिता के लिए जाने गए। वह एक नेता से ज्यादा जन-सेवक थे। वह केवल कई बार के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं थे, बल्कि वे उस उच्च-परंपरा के व्यक्ति थे जिनकी गिनती भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से निकले नेताओं में थी। रक्षामंत्री ने कहा कि चन्द्रभानु गुप्ता का जीवन हमें यह बताता है कि सत्ता का अर्थ केवल पद या अधिकार नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग और जनता के हितों की रक्षा करना होता है। उनके जीवन से हमें यह भी संदेश मिलता है कि राजनीति में मतभेद भले ही हों लेकिन वैमनस्य नहीं होना चाहिए। चंद्रभानु गुप्ता ने स्वतंत्रता संग्राम में एक साधारण कार्यकर्ता की तरह शुरुआत की और अपने त्याग, प्रतिबद्धता और नेतृत्व से लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक,पूर्व मंत्री डा. अशोक बाजपेई और प्रयागराज से सांसद उज्जवल रमण सिंह ने स्व. चंद्रभानु गुप्ता को समर्पित डाक टिकट का विमोचन किया।

इस अवसर राजनाथ सिंह स्व. चंद्रभानु गुप्ता की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद बृजलाल जी, पूर्व मंत्री एवं सदस्य विधान परिषद डा. महेंद्र सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, महानगर अध्यक्ष, भाजपा आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा , एमएलसी रामचंद्र प्रधान, भारत सेवा संस्थान के महामंत्री जेएन मिश्रा, चीफ पोस्टमास्टर जनरल प्रणव कुमार , निदेशक, डाक सेवा मुख्यालय, लखनऊ आनंद कुमार और प्रोफेसर राजकुमार सिंह एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

वामपंथ से राष्ट्रवाद तक का सफर

पैर कटने के बाद भी नहीं मानी हार सदानंदन राज्यसभा के लिए नामित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मास्टर के साथ-साथ स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर उज्ज्वल निकम, पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन सहित कुल चार लोगों को राज्यसभा के लिए नामित किया। संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत इन लोगों की नामांकित किया गया। यह अनुच्छेद उन लोगों को उच्च सदन में स्थान देने की अनुमति देता है जिन्होंने साहित्य, विज्ञान, कला या सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया हो।

केरल के कन्नूर जिले से आने वाले सदानंदन मास्टर एक समय कम्युनिस्ट विचारधारा से प्रभावित थे। उनका परिवार भी वामपंथी विचारधारा से जुड़ा था। पिता शिक्षक और सीपीआई(एम) समर्थक, भाई भी पार्टी में सक्रिय थे। छात्र जीवन में जब वे स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे, तब वामपंथी सोच उनका मार्गदर्शक बनी। लेकिन 1984 में जब उन्होंने आरएसएस की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद आधारित विचारधारा को पढ़ना शुरू किया, तो उनके विचार बदलने लगे। प्रसिद्ध मलयालम कवि अक्कितम की रचना 'भारत दर्शनंगल' ने उनके विचारों में निर्णायक परिवर्तन लाया और उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उनके सामाजिक और वैचारिक जीवन में निर्णायक मोड़ साबित हुआ। हालांकि विचारधारा बदलने की यह कीमत उन्हें बहुत महंगी पड़ी। 25 जनवरी 1994 की रात उस समय उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई जब सीपीआई(एम) से जुड़े कुछ लोगों ने उन पर जानलेवा हमला किया। उस दिन वह स्कूल से लौट रहे थे और घर में बहन की सगाई का जश्न चल रहा था। रात करीब साढ़े आठ बजे कुछ हमलावरों ने उन्हें बस से उतरते ही घेर लिया और उनके दोनों पैर बेरहमी से काट दिए। यह हमला महज प्रतिशोध नहीं था, बल्कि उन लोगों के लिए एक चेतावनी थी जो विचारधारा बदलने की हिम्मत करते थे। लहूलुहान हालत में वे सड़क किनारे पड़े रहे, किसी की हिम्मत नहीं हुई कि उनकी मदद करे। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक वे बेहोश हो चुके थे। मात्र 30 साल की उम्र में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए।लेकिन यह हादसा उनके जीवन की गति को नहीं रोक सका। लंबी शारीरिक और मानसिक लड़ाई के बाद उन्होंने 1999 में फिर से अध्यापन कार्य शुरू किया।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मिले विदेशी नागरिक

नई दिल्ली। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। यह जानकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से सामने आई है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार बिहार में मतदाता सूची अपडेट के इस विशेष कार्यक्रम के दौरान घर-घर जाकर किए गए सत्यापन में बूथ लेवल अधिकारियों को बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिक मिले हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों का कहना है कि 1 अगस्त के बाद उचित जांच पूरी होने के बाद इनके नाम 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। बिहार में मतदाता सूची के इस विशेष संवीक्षण अभियान का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची में दर्ज नामों की पुष्टि की जा रही है।

अभिनेता और पूर्व राजनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन

मुंबई। दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन हो गया है। उन्होंने 83 वर्ष की आयु में आज सुबह करीब 4 बजे अंतिम सांस ली। वे उम्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। आंध्र प्रदेश के कांकीपाडु में जन्मे श्रीनिवास एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता, डॉ. सीता राम अंजनेयुलु, एक जाने-माने चिकित्सक थे। हालांकि श्रीनिवास का झुकाव शुरू से ही अभिनय की ओर था। विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कॉलेज के दिनों में थिएटर के प्रति अपने जुनून को जीवित रखते हुए स्टेट बैंक में नौकरी भी की, लेकिन अभिनय का प्रेम इतना गहरा था कि वे जल्द ही रंगमंच और फिर सिनेमा की दुनिया में पूरी तरह रम गए।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नर्मदापुरम

!! ईश्तहार !!

एतद् आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नर्मदापुरम् द्वारा:-

01. ग्राम नांदिया, तह. पिपरिया जिला नर्मदापुरम् म.प्र में स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 2/1/3 रकबा 21.043 में से 0.0557 हेक्टेयर भूमि पर उप स्वास्थ्य केन्द्र नांदिया (कन्स्ट्रक्शन हॉस्पिटल बिल्डिंग) बनाये जाने हेतु अनु.वि. अधिकारी(राजस्व) अनुभाग पिपरिया के रा.प्र.क्र./009/अ-20(3)/2024-25 प्रचलित, होकर भूमि आवंटन किया जाना है।
02. ग्राम पगारा तह. पिपरिया जिला नर्मदापुरम् म.प्र में स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 38/3 रकबा 0.109 में से 0.02861 हेक्टेयर भूमि पर उपस्वास्थ्य केन्द्र पगारा (कन्स्ट्रक्शन हॉस्पिटल बिल्डिंग) बनाये जाने हेतु अनु.वि. अधिकारी (राजस्व) अनुभाग पिपरिया के रा.प्र.क्र./004/अ-20(3)/2024-25 प्रचलित, होकर भूमि आवंटन किया जाना है।

इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो उक्त प्रकाशन उपरांत दिनांक 14.07.2025 तक न्यायालय अपर तहसीलदार पिपरिया जिला नर्मदापुरम् में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
नर्मदापुरम

जी15517/25

समग्र शिक्षा अभियान, (सेकेण्ड्री एजुकेशन)
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला- नर्मदापुरम्
E-Mail :- hoshangabad.rmsa@gmail.com , Ph. No.- (07574)-252426

क्र./ 4987 /स.शि.अभि./निविदा/2025 नर्मदापुरम दिनांक, 10.07.25

:: निविदा आमत्रंण ::

निम्नानुसार कार्यो के लिए संबंधित क्षेत्रों में पंजीकृत फर्मो से निविदाएँ आंमत्रित की जाती है :-

- भ्रमण हेतु 4 पहिये की वाहन की आवश्यकता है।
- ए-4/ए-3 साईज में फोटो कॉपी कराने हेतु।
- विभिन्न आयोजनों में टेंट, ध्वनी विस्तार यंत्र आदि की आवश्यकता।
- प्रशिक्षणार्थियों को दिया जाने वाले भोजन एवं चाय, नाश्ता।
- कम्प्यूटर संबंधी कार्य रिफिल आदि।

उपरोक्तानुसार निविदाओं का पृथक-पृथक मूल्य 500 रू0 है। प्रत्येक निविदा के लिए धरोहर राशि रू0 10,000/- (अंकन- दस हजार रूपये) के बैंक ड्राफ्ट के साथ दिनांक 24.07.2025 को दोपहर 2 बजे तक जमा की जायेगी। तथा इसी दिन शाम 5 बजे से निविदा खोली जायेगी। विस्तृत जानकारी एवं निविदा पत्र कार्यालयीन समग्र शिक्षा अभियान के कक्ष से प्राप्त की जा सकती है। पूर्ण जानकारी के साथ निविदा डाक से या सीधे समयावधि में जमा की जा सकती है।

जिला शिक्षा अधिकारी
नर्मदापुरम्

जी15527/25

कार्यालय अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज जिला सीहोर (म.प्र.)

Email ID- superintendentsubjailng@gmail.com

क्रमांक/504/निविदा/2025 नसरूल्लागंज, दिनांक 08/07/2025

ई-निविदा विज्ञप्ति
वर्ष 2025-2026

जेल मुख्यालय के पत्र क्रमांक 9663/भवन/2025 भोपाल दिनांक 15.04.2025 के द्वारा 64-001 मद अंतर्गत 02 अतिरिक्त व्ही.सी.कक्षो के निर्माण हेतु एवं पत्र क्रमांक 9502/भवन/2025 भोपाल दिनांक 09.04.2025 के द्वारा 33-001 अनुरक्षण मद में आवास गृहो के सामान्य मरम्मत हेतु 18 आवासगृहो हेतु स्वीकृति दी गई है। साथ ही जेल में वर्ष 2025-26 में अन्य अनुरक्षण कार्यो में लगने वाली सामग्रियो हेतु मध्य प्रदेश जेल पूर्ति नियम 1968 तथा मध्य प्रदेश भण्डार क्रय नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के तहत सब जेल नसरूल्लागंज में उक्त कार्यो को करवाये जाने हेतु लगने वाली सामग्रियो की आपूर्ति हेतु ई- निविदा वर्ष 2025-26 ई-टेण्डरिंग पद्धति के माध्यम से ऑन लाईन दिनांक 29.07.2025 को सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

निविदा का अनुमानित मूल्य

क्र	सामग्री	ई-निविदा की अनुमानित राशि	03 प्रतिशत प्रतिभूति राशि
1	व्ही.सी कक्ष निर्माण सामग्री एवं शासकीय आवास गृहो के अनुरक्षण कार्य में लगने वाली सामग्री एवं अन्य अनुरक्षण कार्य	5,00,000	15,000

निविदा से संबधित संम्पूर्ण जानकारी वेबसाईटhttp://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।निविदा कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है

ई- निविदा का विवरण

क्र	विवरण	दिनांक व समय	स्थान
1	प्री- बिड मीटिंग	21.07.2025 प्रातः 11.00 बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज जिला सीहोर
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि, निविदा फार्म का मूल्य 05 लाख तक की निविदा हेतु 500/-तथा 05 लाख से अधिक की निविदा हेतु रूपये 1000/- प्रति फार्म राशि महालेखाकार ग्वालियर म.प्र. शीर्ष 0056,जेले -800 अन्य प्राप्तियों मे जमा की जावेगी	29.07..2025 शाम 04.00 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर प्राप्त किये जा सकेगे।
3	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि।	29.07.2025 शाम 06 बजे तक	www.mptenders.gov.in पर आनलाईन स्वीकार की जावेगी
4	तकनीकि निविदा खोलने (आवश्यक दस्तावेज) की तिथि	30.07.2025 प्रातः ---- बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज जिला सीहोर
5	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	31.07.2025दोपहर ---- बजे	कार्यालय अधीक्षक सब जेल नसरूल्लागंज जिला सीहोर

सहायक जेल अधीक्षक
सब जेल नसरुल्लागंज
जिला-सीहोर

जी15568/25

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने बारिश में चलाया स्वच्छता अभियान, किया पौधारोपण

चित्रगुप्त घाट पर की सफाई, कहा नर्मदा को प्रदूषण से बचाना है

नर्मदापुरम/शहर में रविवार को स्थानीय चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा स्वच्छता अभियान भारी बारिश में भी चलाया गया। घाट के किनारे कचरा गंदगी को साफ किया। कचरे को एक डस्टबिन में डाला गया। इस अवसर पर इस अभियान में शामिल हुए सेवा निवृत सेंट्रल बैंक के अधिकारी विजय वर्मा ने कहा कि कायस्थ समाज द्वारा रविवार को साफ सफाई घाटों पर की जाती है । मां नर्मदा के किनारे कचरे को साफ किया जाता है ।नर्मदा किनारे साफ सफाई करना समाज का एक अनुकरणीय कार्य है । नर्मदा नदी को प्रदूषण से बचाना नदी के आसपास घाट को साफ रखना और लोगों को स्वच्छता के महत्व को समझना समाज की अच्छी पहल है। विजय वर्मा ने कहा कि नर्मदा नदी को स्वच्छ रखने के लिए और लोगों को जागरूक करना चाहिए। नदी में प्रदूषण फैलाने से रोकना है और स्वच्छता अभियान चलाना जरूरी है। नियमित हर रविवार को सफाई अभियान चलाया जा रहा है ।लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कचरा संग्रह

और दान की उचित व्यवस्था करना और लोगों को कचरा सही जगह पर फेंकने के लिए प्रोत्साहित करना जैसे कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नर्मदा के किनारे स्वच्छता का काम करना एक अनुकरणीय पहल है। नर्मदा को स्वच्छ करना एक सामूहिक प्रयास है इसमें सभी को मिलकर काम करना होगा । पर्यावरणीय संतुलन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । नर्मदा का आर्थिक सामाजिक कोर्ट आध्यात्मिक महत्व भी अतुलनीय है और हमारी संस्कृति का एक अभिन्न अंग भी मां नर्मदा हम सबकी जीवन दायिनी है हम सब का कर्तव्य है मां नर्मदा के इस स्वच्छता अभियान में आगे बढ़कर सब सहयोग करें । मां को सुंदर और स्वच्छ बनाएं।

वृक्ष ऑक्सीजन की आपूर्ति करके वायु की गुणवत्ता को बढ़ाकर जलवायु सुधार जल संरक्षण और जैव विविधता को प्रोत्साहित करके पेड़ अपने पर्यावरण में योगदान देते हैं और हवा से सुरक्षा प्रदान करके पेड़ अक्सर गर्मी बनाए रखते हैं इसलिए वृक्षारोपण और वृक्ष अधिक से अधिक लगाना चाहिए। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, ओपी मालवीय, लालता प्रसाद, ज्योति वर्मा समाजसेवी सुमन वर्मा, प्रीती खरे, सारिका सक्सेना , शीतल सक्सेना, रश्मि सक्सैना, लालता प्रसाद, नेमीचंद कहार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

टेलीफोन एक्सचेंज के पास पार्क में लगाए आंवला जामुन के पौधे

अखिल भारतीय कायस्थ समाज द्वारा स्थानीय टेलीफोन एक्सचेंज बने पार्क में वृक्षारोपण भी किया गया ।इस दौरान सिंदूर, आंवला , जामुन, नीम के पौधे लगाए गए ।इस अवसर पर प्रखर समाजसेवी विजय वर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय के समाज का यह वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया जा रहा है। श्री वर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण और पेड़ लगाने का बहुत महत्व है ।यह केवल पर्यावरण के लिए बल्कि मानव जीवन के लिए भी आवश्यक है ।पेड़ लगाने का सबसे अच्छा समय अभी है। सचमुच में पेड़ हमारे जीवन रेखा है और उसके बिना हमारी दुनिया अधूरी है ।उन्होंने कहा कि पेड़ का महत्व है। पर्यावरण मानव जीवन के लिए पेड़ आवश्यक है।

कोटवार पर हनुमानजी की मूर्ति पर जूता फेंकने का आरोप

देर रात थाने पहुंचे ग्रामीण एफआईआर और निलंबन की मांग

नर्मदापुरम, निप्र। जिले की तहसील सिवनी मालवा के भैरोपुर गांव के मंदिर में गुरुवार को कोटवार ने हनुमान जी की मूर्ति की ओर जूता फेंका। इस घटना से ग्रामीणों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। घटना की जानकारी मिलने पर शनिवार रात बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर के पास इकट्ठा हो गए।

भीड़ बढ़ने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कोटवार ने जानबूझकर ऐसी हरकत की है।

कोटवार पर एफआईआर दर्ज करने की मांग: पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। आरोपी कोटवार को हिरासत में ले लिया। देर रात करीब 11 बजे दर्जनों ग्रामीण थाने पहुंचे और एफआईआर दर्ज करने की

मांग की। पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आरोपी को अगले दिन एसडीएम कोर्ट में पेश किया जाएगा।

तत्काल निलंबित करने की भी मांग: ग्रामीणों का कहना है कि यह आस्था का मामला है। उन्होंने आरोपी कोटवार को तत्काल निलंबित करने और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। दोषी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैलाश मानसरोवर मुक्ति हेतु महासंकल्प

जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति ने मां नर्मदा को चढ़ाई 1100 मीटर लंबी चुनरी सैकड़ों कावड़िया रहे मौजूद

नर्मदापुरम , निप्र। शहर जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां नर्मदा का जल अभिषेक कर मां नर्मदा को चढ़ाई 1100 मीटर लंबी चुनरी कावड़ यात्रा समिति के मीडिया प्रभारी राजेंद्र मालवीय द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कावड़ यात्रा 23 वर्ष में प्रवेश करने जा रही है जिसके तहत आज दिन रविवार को शाम 5:00 बजे मां नर्मदा का जलाभिषेक कर 1100 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई वही कल सावन सोमवार के प्रथम सोमवार में मां नर्मदा का जल अभिषेक कर सभी कावड़िया द्वारा मां नर्मदा का जल भरकर पचमढ़ी जटाशंकर की ओर रवाना होंगे यह यात्रा मां नर्मदा के सेठानी घाट से कल सुबह 9:00 बजे प्रारंभ होगी आज मां नर्मदा के चुनरी महोत्सव में सुहागपुर के पंडित प्रकाश मुद्गल के आतिथ्य विद्वान आचार्य नीरजेश त्रिपाठी ,आचार्य अविनाश मिश्रा सहित

वैदिक ब्राह्मणों द्वारा मां नर्मदा का पूजन अभिषेक कराया जटाशंकर कावड़ यात्रा समिति की अध्यक्ष राजो मालवीय, पंडित दिनेश तिवारी, हंस राय ,गोवर्धन यादव, गोविंद दुबे, गजेंद्र मालवीय, प्रमोद कुशवाहा, आरती मालवीय,सीमा कैथवास,मुकेश नागर, साईं राम सोनी,किशन मीना, सोहागपुर साहब सिंह पटेल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नर्मदा-तवा संगम पर मिला 10 दिन पुराना शव

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के बांद्राभान संगम स्थल पर रविवार सुबह एक 8-10 दिन पुरानी लाश मिली। यह लाश नर्मदा और तवा नदी के संगम की रेत पर पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस एसडीआरएफ की मदद से नाव से पहुंची और लाश को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

पुलिस के अनुसार, शव करीब 35 वर्षीय युवक का है। टी-शर्ट और अंडरवियर पहना हुआ था, लेकिन शव बुरी तरह सड़ चुका है, जिससे अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

एसडीआरएफ ने सुबह 6 बजे किया रेस्क्यू: एसआई धर्मेंद्र वर्मा ने बताया कि सुबह 6 बजे सूचना मिली थी कि संगम स्थल की रेत पर लाश पड़ी है। टीम ने एसडीआरएफ की मदद से नाव से पहुंचकर शव को बाहर निकाला।

फावड़े से हमला करने वाली महिला को 3 साल जेल इटारसी की अदालत ने 500 रुपए जुर्माना भी लगाया

इटारसी , निप्र। इटारसी के तृतीय अपर जिला न्यायालय ने शनिवार को अहम फैसला सुनाया। न्यायाधीश आदित्य रावत ने ग्राम चांदौन की 57 वर्षीय फूलवती बाई को दोषी करार दिया है।

फूलवती बाई ने नर्मदा नामक महिला पर फावड़े से हमला किया था। घटना 5 अप्रैल 2024 को दोपहर में हुई। नर्मदा का विवाद अपनी मां जमना बाई से चल रहा था। फूलवती ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इस पर नर्मदा ने उन्हें अपनी मां को भड़काने का आरोप लगाया। गुस्से में आकर फूलवती ने फावड़े से नर्मदा के सिर और दाहिने हाथ पर वार कर दिया।

घायल नर्मदा को पहले डीएसपीएम अस्पताल और फिर जिला अस्पताल नर्मदापुरम ले जाया गया। सीटी स्कैन में चोटें गंभीर पाई गईं। पथरौटा पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

अदालत ने फूलवती को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत तीन साल के सश्रम कारावास और 500 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी 81 दिन जेल में रह चुकी है, जिसे सजा में समायोजित किया जाएगा। अपर लोक अभियोजक राजीव शुक्ला के तर्कों के आधार पर यह फैसला दिया गया ।फावड़े से हमला करने वाली महिला को 3 साल जेल इटारसी की अदालत ने 500 रुपए जुर्माना भी लगाया

पेपर बाहर भेजने पर कलेक्टर ने छात्र को थप्पड़ मारे, कलेक्टर ने कहा

नकल के तहत कार्रवाई की, छात्र बोला- मेरा पक्ष नहीं सुना

भिंड, निप्र। मध्यप्रदेश के भिंड जिले में कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने परीक्षार्थी को थप्पड़ मारे थे, इसके दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। घटना 1 अप्रैल 2025 की बताई जा रही है, जब स्नातक परीक्षाओं के दौरान नकल की शिकायतों पर कलेक्टर ने पंडित दीनदयाल कॉलेज, लाड़मपुरा परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया था। वीडियो शनिवार रात वायरल हुए हैं।

वीडियो में नजर आ रहा है कि कलेक्टर ऑफिस के एक कमरे में छात्र से पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन छात्र जवाब नहीं देता। इस पर कलेक्टर गुस्से में आकर उसे दो थप्पड़ मारते हैं। घटना के बाद छात्र को परीक्षा से बाहर कर दिया गया था।

छात्र रोहित राठौर पर आरोप है कि उसने बीएससी फिजिक्स का पेपर सेंटर से बाहर भिजवाया था ताकि हल कराकर वापस मंगाया जा सके। जब उससे पूछताछ की गई तो वह पेपर से संबंधित कोई जानकारी नहीं दे पाया, जिसके बाद उसकी कॉपी जब्त कर ली गई और उसे ऑफिस बुलाया गया।

छात्र बोला- टॉयलेट से आया तो पेपर गायब था: दैनिक भास्कर से बातचीत में छात्र रोहित

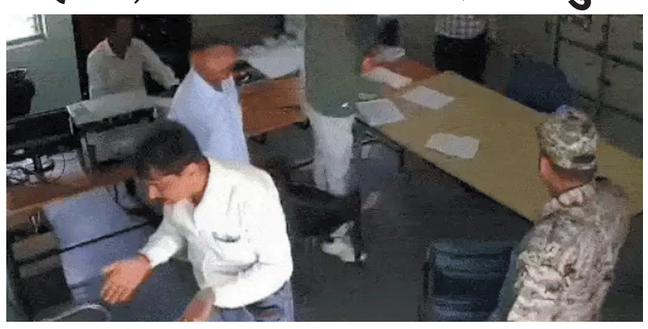

राठौर का कहना है कि वह उस दिन फिजिक्स की परीक्षा में बैठा था। टॉयलेट के लिए गया था, लौटकर आया तो पेपर टेबल से गायब था। तभी कलेक्टर मौके पर पहुंचे और बिना पूछे थप्पड़ मार दिए। उसका कहना है कि कान में चोट आई थी और नकल का प्रकरण भी बना दिया गया। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसका पक्ष नहीं सुना गया।

कलेक्टर ने कहा- पेपर सेंटर से बाहर भेजा था: कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बताया, घटना पुरानी है। छात्र पेपर बाहर भिजवाकर हल कराने की कोशिश कर रहा था। जब उससे जानकारी मांगी गई तो उसने कुछ नहीं बताया। हमने उसे परीक्षा से बाहर कर दिया, जो नियम के तहत कार्रवाई थी।

विश्वविद्यालय और प्रशासन की चुप्पी: घटना तीन महीने पुरानी है। यह वीडियो अब सामने आया है। मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, दो पार्षद पति घायल बोले

टक्कर इतनी तेज थी की संभलने का मौका नहीं मिला

विदिशा, निप्र। विदिशा में शनिवार देर रात लड्डू एजेंसी रोड पर एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नगरपालिका के दो पार्षद पति घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, वार्ड 23 के पार्षद पति जमुना कुशवाहा और वार्ड 24 के पार्षद पति धर्मेंद्र सक्सेना कृषि उपज मंडी से बाइक पर घर लौट रहे थे। लड्डू एजेंसी रोड पर तेज गति से आई एक कार ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक से उछलकर दूर जा गिरे।

हादसे के बाद कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

जांच जारी पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है।

घायल बोले- संभलने का मौका नहीं मिला: घायल जमुना कुशवाहा ने बताया कि पीछे से आई गाड़ी ने इतनी तेजी से टक्कर मारी कि उन्हें संभलने का मौका ही नहीं मिला। हादसे की खबर मिलते ही अन्य पार्षद भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा: लड्डू एजेंसी रोड पर लगे एक कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। पुलिस वाहन की पहचान और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

न्यायाधीश आदित्य रावत ने ग्राम चांदौन की 57 वर्षीय फूलवती बाई को दोषी करार दिया है

नर्मदापुरम, निप्र। फूलवती बाई ने नर्मदा नामक महिला पर फावड़े से हमला किया था। घटना 5 अप्रैल 2024 को दोपहर में हुई। नर्मदा का विवाद अपनी मां जमना बाई से चल रहा था। फूलवती ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इस पर नर्मदा ने उन्हें अपनी मां को भड़काने का आरोप लगाया। गुस्से में आकर फूलवती ने फावड़े से नर्मदा के सिर और दाहिने हाथ पर वार कर दिया। घायल नर्मदा को पहले डीएसपीएम अस्पताल और फिर जिला अस्पताल नर्मदापुरम ले जाया गया। सीटी स्कैन में चोटें गंभीर पाई गईं। पथरौटा पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। अदालत ने फूलवती को भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत तीन साल के सश्रम कारावास और 500 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। आरोपी 81 दिन जेल में रह चुकी है, जिसे सजा में समायोजित किया जाएगा।

श्रीमती शांति देवी महादेव पगारे स्मृति समिति

घुमंतु परिवारों को राहत सहायता-समाज सेवा की प्रेरणादायक मिसाल

इटारसी, निप्र। श्रीमती शांति देवी महादेव पगारे स्मृति समिति, इटारसी द्वारा एक बार फिर समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। गोकुल नगर खेड़ा स्थित नहर किनारे निवासरत लोहा पीटा समाज के घुमंतु परिवारों को समिति की ओर से एक माह का संपूर्ण राशन, वर्षा से सुरक्षा हेतु छाते एवं आवश्यक नगद राशि प्रदान की गई। यह सहायता समिति के सदस्य भूपेंद्र विश्वकर्मा द्वारा वितरित की गई।

इस सेवा कार्य में पत्रकार प्रमोद पगारे की भूमिका विशेष उल्लेखनीय रही। वे निरंतर समाज सेवा में संलग्न रहते हैं और ज़रूरतमंदों के लिए सहयोग जुटाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता समिति के कार्यों को और भी व्यापक और प्रभावशाली बना रही है।

यह उल्लेखनीय है कि नर्मदा अंचल एवं सतपुड़ा की वादियों में बसे इटारसी शहर की पहचान अब केवल रेलवे जंक्शन या व्यापारिक

केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि एक जागरूक और संवेदनशील सामाजिक गतिविधियों के पर्याय के रूप में भी उभर रही है। यहाँ के नागरिकों में जन सहयोग और परोपकार की भावना निरंतर प्रबल होती जा रही है, जो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने में सहायक बन रही है।

इस सेवा कार्य ने यह सिद्ध किया कि यदि समर्पण हो और उद्देश्य स्पष्ट हो, तो समाज की सबसे कमजोर कड़ी को भी मजबूती से थामा जा सकता है।

भ्रमण्दा गांव की आंगनबाड़ी में बच्चों को नहीं मिल रहा पोषण आहार, डेढ़ महीने से बंद है संचालन

सिवनी मालवा, निप्र। ब्लॉक के आदिवासी ग्राम पंचायत बारासेल के आदिवासी बाहुल्य गांव भ्रमण्दा में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पिछले एक से डेढ़ महीने से बच्चों को न तो

भोजन दिया जा रहा है और न ही पोषण आहार वितरित किया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन भी इस अवधि में नहीं हो पा रहा है।

पंचायत सचिव संजय दुबे ने पुष्टि की कि एक-दो महीने से आंगनबाड़ी नहीं लग रही है, जिस कारण बच्चों को पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय सचिव ने बताया कि सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद चल रहा है, जिसकी वजह से केंद्र संचालन प्रभावित हो रहा है।

गांव की एक महिला सविता ने बताया कि सुपरवाइजर का पति आंगनबाड़ी में हस्तक्षेप करता है और महिलाओं से अभद्र व्यवहार करता है, जिससे कार्यकर्ता डर और तनाव में रहती हैं। गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन, टीकाकरण और प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना है, लेकिन भ्रमण्डा गांव की यह स्थिति शासन की योजनाओं की जमीनी हकीकत को उजागर करती है।

ग्रामीणों ने मांग की है कि शीघ्र ही विभागीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई हो तथा बच्चों को पुन: पोषण आहार उपलब्ध कराया जाए।

कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक हुई आयोजित

सेठानी घाट से माँ नर्मदा का जल भरकर भोपाल के बाबा बटेश्वर महादेव का अभिषेक करेंगे कावड़िये

नर्मदापुरम, निप्र। सेवा का संकल्प जन कल्याण समिति 26 जुलाई को नर्मदापुरम से भोपाल तक विशाल कावड़ यात्रा निकालेगी। कावड़ यात्रा में कावड़िये नर्मदापुरम से नर्मदा का जल भरकर पुराने भोपाल स्थित बाबा बटेश्वर महादेव मंदिर तक जाएंगे यहां सभी भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। इस कावड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर रविवार को यात्रा संयोजक चेतन भार्गव के मार्गदर्शन में स्थानीय सर्किट हाउस में बैठक आयोजित हुई। बैठक में कावड़ यात्रा संबंधी सभी तैयारियों की समीक्षा हुई एवं समिति सदस्यों को व्यवस्था संबंधी आवश्यक जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। यात्रा संयोजक श्री भार्गव ने बताया कि 25 जुलाई को भोपाल से अमरकंटक एक्सप्रेस से सैकड़ों कांवड़िए नर्मदापुरम पहुंचेंगे यहां जगदीश मंदिर धर्मशाला में रात्रि विश्राम करेंगे। 26 जुलाई को सुबह सेठानी घाट पर माँ नर्मदा का पूजन

कर जल भरकर कांवड़िए भोपाल के लिए रवाना होंगे। कावड़ यात्रा नर्मदापुरम के सेठानी घाट से शहर के सराफा चौक, न्यू जयस्तंभ चौक , सातरास्ते होते हुए ओवरब्रिज तिराहे से बुदनी के लिए रवाना होगी। यात्रा बुधनी, बरखेड़ा, ओबेदुल्लागंज , मंडीदीप, मिसरोद होते हुए पुराने भोपाल स्थित बटेश्वर महादेव मंदिर 28 जुलाई सोमवार को पहुँचेगी यहां माँ नर्मदा के जल से महादेव का अभिषेक होगा। कावड़ यात्रा के दौरान रास्ते में जगह जगह पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण भी किया जाएगा। रविवार को यात्रा तैयारी संबंधी बैठक में नीतेश खंडेलवाल , दीपक महालहा, वंदना दुबे, आशीष सोलंकी, प्रशांत तिवारी, मनीष परदेशी, विजय चौकसे, आनंद साहू, सुंदरम अग्रवाल, सत्या चौहान, प्रदीप श्रीराम, रामगोपाल चौबे, रेखा रघुवंशी, नितिन शर्मा, सोनू दुबे, कमल किशोर साहू, आशीष गुप्ता, एसके पाराशर, संजय तिवारी, भविष्य श्रोती, महेंद्र नामदेव, उदित सोनी, मुकेश संतोरे, अनूप मालवीय , अरविंद धुर्वे, राकेश शुक्ला, कमल गोस्वामी, पंकज सोनी, राजेश प्यासी, नितिन शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।